लखनऊ

शुक्रवार, 12 सितम्बर, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 63

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

सांप घर पर दिखाई दे तो लोग डंडों से मारते हैं, और यदि साँप शिव लिंग पर दिखाई दे तो दूध पिलाते हैं, लोग सम्मान आप का नहीं, आप के स्थान और स्थिति का करते हैं

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
37°	26°
Hi	Low

संक्षेप

ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया 'बहुत अच्छा दोस्त', ट्रेड वार्ता फिर से शुरू करने की घोषणा; प्रधानमंत्री ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली/वाशिंगटन। भारत के साथ रिश्तों में तनाव कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि उनके प्रशासन ने व्यापार वार्ता फिर से शुरू कर दी है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका, दोनों देशों के बीच व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी रखे हुए हैं। ट्रंप ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना 'बहुत अच्छा दोस्त' भी बताया और कहा कि वह 'आने वाले हफ्तों में' उनसे बात करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे दोनों महान देशों के लिए एक सफल निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं होगी। ट्रंप का यह ताजा बयान अमेरिका की ओर से हाल ही में आई नरमी के बाद आया है। प्रधानमंत्री ने ट्रंप के पोस्ट को एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, भारत और अमेरिका करीबी दोस्त और नेचुरल पार्टनर्स हैं। मुझे भरोसा है कि हमारी व्यापार वार्ताएं भारत-अमेरिका साझेदारी की असीमित संभावनाओं का रास्ता प्रशस्त करेंगी। हमारी टीमें इन चर्चाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए काम कर रही हैं। मैं राष्ट्रपति ट्रंप से बात करने के लिए भी उत्सुक हूं। हम दोनों देशों के लोगों के लिए एक उज्जवल और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

नसीआर में थमी बारिश, अब बढ़ेगा पारा, तेज धूप और उमस करेगी परेशान

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में लगातार कई दिनों से हो रही हल्की बारिश और बादलों का असर अब धीरे-धीरे खत्म होता नजर आ रहा है। भारतीय मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दिनों में बारिश की संभावना बेहद कम है और मौसम शुष्क रहेगा। आसमान में हल्के बादल जरूर छाए रहेंगे, लेकिन लोगों को बारिश से राहत नहीं मिलने वाली है। इसके विपरीत अब तापमान में इजाफा होगा और उमस के साथ-साथ तेज धूप लोगों को परेशान करेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, 15 सितंबर तक एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जाएगा। वहीं, न्यूनतम तापमान 24 से 25 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। ह्यूमिडिटी का स्तर 55 से 75 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है। इसका सीधा असर यह होगा कि सुबह और शाम के समय उमस लोगों को परेशान करेगी, जबकि दिन में धूप चुभने लगेगी। 12 सितंबर तक आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, लेकिन किसी भी तरह की तेज बारिश की संभावना नहीं है। 13 सितंबर को आसमान सामान्य रूप से बादलों से घिरा रहेगा, हालांकि उसके बाद यानी 14 और 15 सितंबर को मौसम साफ रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने साफ किया है कि इस दौरान किसी तरह की चेतावनी जारी नहीं की गई है यानी तेज बारिश या आंधी-तूफान की संभावना नहीं है। लंबे समय तक बारिश न होने के कारण दिल्ली-एनसीआर में तापमान में लगातार बढ़ोतरी होगी। 34 डिग्री तक पहुंच चुका अधिकतम तापमान आने वाले दिनों में लोगों को उमस और पसीने से परेशान करेगा।

भारत-मॉरीशस पार्टनर नहीं, परिवार

काशी में स्वागत में उमड़ी भीड़ देख रामगुलाम ने कहा- आप यूं ही बड़ी जीत दर्ज नहीं करते: मोदी

मॉरीशस में भारत बनाएगा 500 बेड वाला अस्पताल

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे, जहां उन्होंने मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय वार्ता हुई जिसमें आर्थिक सहयोग और पर्यटन जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने मॉरीशस और भारत के संबंधों पर बात करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराएं सदियों पहले भारत से मॉरीशस पहुंचीं और वहां की जीवन पद्धति में रच-बस गईं।

द्विपक्षीय वार्ता से पहले पीएम मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ नवीनचंद्र रामगुलाम की उपस्थिति में वाराणसी में भारत और मॉरीशस के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वाराणसी की धरती पर नवीनचंद्र रामगुलाम का स्वागत करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे अपने संसदीय क्षेत्र में आपका स्वागत करने का अवसर मिल रहा है। अनादि काल से काशी भारत की सभ्यता और सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक रही है।'

भारत-मॉरीशस पार्टनर नहीं, बल्कि एक परिवार है- PM मोदी

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'हमारी संस्कृति और परंपराएं सदियों पहले भारत से मॉरीशस पहुंचीं और वहां की जीवन पद्धति में रच-बस गईं। काशी में मां गंगा की अविरल धारा की तरह, भारतीय संस्कृति का अविरल प्रवाह मॉरीशस को समृद्ध करता रहा है और आज, जब हम मॉरीशस के साथियों का काशी में स्वागत कर रहे हैं, तो यह केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक मिलन है। इसलिए मैं गर्व से कहता हूं कि भारत और मॉरीशस सिर्फ पार्टनर नहीं बल्कि एक परिवार है।

मॉरीशस और भारत के बीच अहम समझौता

मॉरीशस और भारत के बीच हुए समझौते की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत के बाहर पहला जन औषधि केंद्र अब मॉरीशस में स्थापित किया गया है। आज हमने फैसला किया है कि भारत मॉरीशस में आयुष उत्कृष्टता केंद्र, 500 बिस्तरों वाले सर शिवसागर रामगुलाम राष्ट्रीय (SSRN) अस्पताल और पशु चिकित्सा विद्यालय तथा पशु अस्पताल के निर्माण में सहयोग देगा। हम चागोस समुद्री संरक्षित क्षेत्र, एसएसआर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के एटीसी टावर और राजमार्ग एवं रिंग रोड के विस्तार जैसी परियोजनाओं को भी आगे बढ़ाएंगे। यह पैकेज सहायता नहीं है। यह हमारे साझा भविष्य में एक निवेश है। पिछले साल मॉरीशस में UPI और RuPay कार्ड लॉन्च किए गए थे। अब हम स्थानीय मुद्रा में व्यापार को सक्षम बनाने की दिशा में काम करेंगे।'

नवीनचंद्र रामगुलाम ने पीएम मोदी का जताया आभार

वहीं, भारत में भव्य स्वागत से गदगद मॉरीशस पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम ने कहा, वाराणसी पहुंचने पर, मुझे और मेरी पत्नी को मिले स्वागत से हम आश्चर्यचकित रह गए। मेरा मानना है कि किसी भी अन्य प्रधानमंत्री को ऐसा स्वागत कभी नहीं मिला होगा। मुझे खुशी है कि यह आपके निर्वाचन क्षेत्र में है। मैं समझ सकता हूं कि आप इतनी बड़ी संख्या में क्यों चुने जाते हैं। यह भारत की मेरी चौथी आधिकारिक यात्रा है। इस मौके पर पीएम मोदी ने एक और घोषणा करते हुए कहा कि इस वर्ष हम सर शिवसागर रामगुलाम जी की 125वीं जयंती मना रहे हैं। वे केवल मॉरीशस के राष्ट्रपिता ही नहीं, बल्कि भारत और मॉरीशस के बीच अटूट सेतु के संस्थापक भी थे। उनकी यह जयंती हमें मिलकर अपने संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने की प्रेरणा देती है।

क्या जल्दी है? एक मैच है, हो जाने दीजिए... भारत-पाकिस्तान क्रिकेट पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने उस जनहित याचिका (PIL) को तत्काल सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया, जिसमें भारत-पाकिस्तान मैच को रद्द करने की मांग की गई थी। यह मैच एशिया कप T20 टूर्नामेंट में 14 सितंबर को होने वाला है। यह मामला गुरुवार को जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस विजय विष्णोई की बेंच के सामने उठाया गया। याचिका का उल्लेख करते हुए जब वकील ने इसे शुक्रवार को लिस्ट करने की गुहार लगाई तब जस्टिस महेश्वरी ने कहा कि क्या जल्दी है? यह तो एक मैच है, होने दीजिए।

जब वकील ने बताया कि मैच रविवार (14 सितम्बर) को है और अगर शुक्रवार को यह लिस्ट नहीं किया गया तो याचिका निरर्थक हो जाएगी। तब जस्टिस माहेश्वरी ने कहा मैच इस रविवार है? हम उसमें क्या कर सकते हैं? होने दीजिए, मैच होना चाहिए। इसके बाद वकील ने निवेदन किया कि चाहे उसका केस मजबूत हो या कमजोर, लेकिन कम से कम मामले को लिस्ट किया जाना चाहिए। अदालत ने गुहार को ठुकरा दिया। कहा कि मैच होना चाहिए। यह PIL चार याचिकाकर्ताओं ने दायर की है जो वर्तमान में कानून की पढ़ाई कर रहे हैं।

पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध

उनका तर्क है कि पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध है। यह सशस्त्र बलों एवं उन नागरिकों के बलिदानों को कमतर करता है, जिन्होंने हमले में अपने प्राण गंवाए। याचिका में कहा गया है कि पाकिस्तान के साथ खेलना उल्टा संदेश देता है कि जब हमारे सैनिक जान की बाजी लगा रहे हैं। हम उसी देश के साथ खेल का जश्न मना रहे हैं, जो आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। यह उन पीड़ित परिवारों की भावनाओं को भी ठेस पहुँचा सकता है, जिन्होंने पाकिस्तानी आतंकवादियों के हाथों अपने प्रियजनों को खोया है। राष्ट्र की गरिमा और नागरिकों की सुरक्षा मनोरंजन से ऊपर है।

राष्ट्रीय खेल महासंघ के अंतर्गत लाया जाए

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि क्रिकेट को न तो राष्ट्रीय हित से ऊपर रखा जा सकता है, न ही नागरिकों के जीवन या सशस्त्र बलों के बलिदानों से। इस मैच का जारी रहना देश की सुरक्षा, अखंडता और मनोबल के लिए हानिकारक है। भारत-पाकिस्तान मैच को रद्द करने के अलावा, उन्होंने युवा मामले मंत्रालय को निर्देश देने की मांग की है। राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025 लागू किया जाए। सीजन बॉल क्रिकेट को राष्ट्रीय खेल महासंघ के अंतर्गत लाया जाए। याचिका में भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (BCCI) को प्रतिवादी पक्ष के रूप में शामिल किया गया है। आग्रह किया गया है कि अब समय आ गया है कि बीसीसीआई को युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में लाया जाए। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि यदि राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025 लागू होता है, तो बीसीसीआई को उस अधिनियम के तहत स्थापित राष्ट्रीय खेल बोर्ड के अंतर्गत लाना होगा।

हमें बचाओ! रूस की धरती से भारतीय नागरिक लगाए गुहार विदेश मंत्रालय ने जारी किया बड़ा अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच दो भारतीय युवाओं ने आरोप लगाया है कि उन्हें धोखे से रूसी सेना में भर्ती कर युद्ध के मोर्चे पर भेज दिया गया। उनका कहना है कि उनके साथ करीब 13 और भारतीय भी फंसे हुए हैं। इस खुलासे के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस मामले की जानकारी जुटा रहा है और रूस के साथ संपर्क बनाए हुए है। विदेश मंत्रालय ने इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए बयान जारी किया है। मंत्रालय ने सख्त चेतावनी दी है कि किसी भी परिस्थिति में रूसी सेना में भर्ती होने का ऑफर स्वीकार न किया जाए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पिछले एक वर्ष में भारत सरकार कई बार इस तरह की भर्तियों से जुड़े खतरों और जोखिमों पर चेतावनी जारी कर चुकी है और भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। उन्होंने आगे बताया, "हाल ही में हमें जानकारी मिली है कि भारतीय नागरिकों को रूसी सेना में भर्ती किया जा रहा है। इस पर हमने दिल्ली और मॉस्को दोनों जगह रूसी अधिकारियों के साथ बात की है और उनसे इस प्रथा को तुरंत रोकने तथा हमारे नागरिकों को रिहा करने की मांग की है।"

युद्ध क्षेत्र में भेजे गए भारतीय नागरिक

मंत्रालय ने बताया कि वह प्रभावित भारतीय नागरिकों के परिजनों से लगातार संपर्क बनाए हुए है। प्रवक्ता ने भारतीयों से अपील की कि वे रूसी सेना में शामिल होने के किसी भी प्रलोभन से दूर रहें, क्योंकि यह बेहद जोखिम भरा कदम साबित हो सकता है। यह चेतावनी उन हालिया रिपोर्टों के बाद जारी की गई है, जिनमें कहा गया था कि कुछ भारतीय नागरिकों को धोखे से रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में भेजा गया।

एजेंट ने नौकरी के बहाने भेजा रूस

एक अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक़, पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क इलाके में दो भारतीय युवक फंसे हुए हैं। उनका कहना है कि उन्हें रूस निर्माण कार्य के बहाने बुलाया गया था, लेकिन वहां पहुंचने के बाद उन्हें मोर्चे पर भेज दिया गया। नवंबर 2024 में रूस के कब्ज़े वाले सेलिडोव शहर से फोन पर बातचीत के दौरान दोनों ने दावा किया कि उनके साथ कम से कम 13 और भारतीय भी इसी तरह की स्थिति में फंसे हैं।

E20 पर भ्रम फैला रही 'पेट्रोल लॉबी'! गडकरी बोले- 'पैसे देकर कराया गया दुष्प्रचार'

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को पेट्रोलियम क्षेत्र पर सरकार के इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के लिए प्रयास के खिलाफ लॉबिंग करने का आरोप लगाया और कहा कि निहित स्वार्थी तत्व इस बदलाव को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। गडकरी ने ई20 (20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) को लेकर सोशल मीडिया पर बढ़ती चिंताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हर जगह लॉबी हैं, हित हैं... पेट्रोल लॉबी बहुत अमीर है। उनकी यह टिप्पणी नई दिल्ली में सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के 65वें वार्षिक सम्मेलन में आई।

गडकरी ने कहा कि ई20 पेट्रोल रोलआउट कार्यक्रम को लेकर उनके खिलाफ एक भुगतान किया गया राजनीतिक अभियान चलाया गया था, जो अब झूठा साबित हो गया है। गडकरी ने BSIV से BSVI उत्सर्जन मानदंडों में बदलाव में वाहन निर्माताओं की भूमिका के लिए उनका धन्यवाद किया और आश्वासन दिया कि भारत BSVI और CAFE मानकों को लागू करने के मामले में वैश्विक स्तर पर कदम बढ़ाता रहेगा। भविष्य की बात करें तो उन्होंने अनुमान लगाया कि 2025 के अंत तक भारत की लॉजिस्टिक्स लागत घटकर सकल घरेलू उत्पाद के 9% पर आ जाएगी।

गडकरी ने कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री से आग्रह किया है कि वे पुराने वाहनों को हटाकर नई कार खरीदने वाले ग्राहकों के लिए जीएसटी राहत पर विचार करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के कदम से उपभोक्ताओं और ऑटो उद्योग दोनों को लाभ होगा। अप्रैल 2023 में चुनिंदा ईंधन स्टेशनों पर शुरू हुए E20 का विस्तार अप्रैल 2025 में पूरे देश में किया गया। इसने E10 (10 प्रतिशत इथेनॉल युक्त पेट्रोल) की जगह ले ली, जिसका इस्तेमाल भारत में ज़्यादातर कारें करती हैं। इथेनॉल एक अल्कोहल है जो मुख्य रूप से गन्ने और मक्का व चावल जैसे खाद्यान्नों से प्राप्त होता है।

राहुल गांधी का बड़ा दावा : 'वोट चोरी' का विस्फोटक सबूत, हाइड्रोजन बम गिरेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के रायबरेली में अपनी पंक्ति वोट चोर गद्दी छोड़ दोहराई। उन्होंने आगे कहा कि हम आपके सामने ज़बरदस्त और विस्फोटक सबूत पेश करने जा रहे हैं। पूरे देश में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा गूंज रहा है। यह सच है कि वोट चुराकर सरकारें बनाई जा रही हैं। हम गारंटी देते हैं कि हम आपको सबूत ज़रूर देंगे। जो भाजपा वाले भड़क रहे हैं, उनसे मैं कहना चाहता हूँ - भड़किए मत, जब हाइड्रोजन बम गिरेगा, तो सब साफ़ हो जाएगा।

राहुल गांधी ने 7 अगस्त को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय चुनाव आयोग (ECI) पर गंभीर आरोप लगाए और उस पर बड़े पैमाने पर मतदाता धोखाधड़ी में सीधे तौर पर शामिल होने का आरोप लगाया, जबकि कांग्रेस के पास इस कथित चोरी के खुले और स्पष्ट सबूत हैं। गांधी ने कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा में मतदान पर कांग्रेस के शोध को प्रस्तुत किया। उन्होंने 1,00,250 वोटों की ₹वोट चोरी₹ का आरोप लगाया।

उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग पर तीखा हमला किया और कहा कि चुनाव आयोग और भाजपा के बीच मिलीभगत हुई, जिसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना तीसरा कार्यकाल मिला। उन्होंने चुनाव आयोग की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि चुनाव नियोजित हैं। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले, गांधी ने बिहार में 16 दिवसीय 'मतदाता अधिकार यात्रा' शुरू की, जिसमें राजद नेता तेजस्वी यादव भी उनके साथ शामिल हुए।

इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना था, जिसे विपक्षी नेताओं ने वोट चोरी का मामला करार दिया है। 20 जिलों में 1,300 किलोमीटर से ज़्यादा की यात्रा पूरी करते हुए, यह यात्रा 1 सितंबर को समाप्त हुई। इससे पहले बिहार के मधुबनी में, गांधी ने आरोप लगाया था कि भाजपा की ₹वोट चोरी की शुरुआत गुजरात से हुई और 2014 में यह राष्ट्रीय स्तर पर पहुँच गई।₹ रायबरेली में मौजूद गांधी ने राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के अंतर्गत आने वाले फिरोज गांधी ऊंचाहार ताप विद्युत केंद्र में श्रमिकों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की, जहाँ वे पिछली रात रुके थे। रायबरेली और ऊंचाहार के स्थानीय लोग भी उनसे मिल रहे हैं।

'विदेश यात्राओं पर राहुल ने किया सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन, यह चिंता का विषय'

नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की ओर से पिछली विदेश यात्राओं के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन का जिक्र किया है। सीएपीएफ ने राहुल गांधी को भी एक अलग पत्र लिखकर इस मामले से अवगत कराया है। सीआरपीएफ ने कहा है कि उनकी सुरक्षा को देखते हुए यह गंभीर चिंता का विषय है।

पत्र में कहा गया है कि राहुल को एडवांस सिक्योरिटी लाइजन (एएसएल) कवर के साथ उच्चतम स्तर की 'जेड+' सुरक्षा प्राप्त है। उन्होंने कई मौकों पर अनिवार्य सुरक्षात्मक उपायों का पालन करने में समर्थता जताई। सीआरपीएफ ने हाल ही में राहुल और खरगे दोनों को भेजे गए पत्र में कहा कि इस तरह की चूक वीवीआईपी सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता को कमजोर करती है और उन्हें संभावित जोखिमों के प्रति संवेदनशील बना सकती है।

सूत्रों ने मुताबिक, सीआरपीएफ ने 10 सितंबर को दोनों नेताओं को भेजे गए अलग-अलग पत्रों में यह मुद्दा उठाया और भविष्य की यात्राओं के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने की अपील की। अपने पत्र में सीआरपीएफ ने राहुल गांधी की इटली, वियतनाम, दुबई, कतर, लंदन और मलेशिया जैसे देशों की विदेश यात्राओं का जिक्र किया।

सुरक्षा विंग को देनी होती है पूर्व सूचना

राहुल गांधी अक्सर निजी और राजनीतिक कार्यक्रमों के लिए विदेश यात्रा करते रहे हैं। 'येलो बुक' प्रोटोकॉल के तहत उच्च श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त व्यक्तियों को पर्याप्त सुरक्षात्मक तैनाती सुनिश्चित करने के लिए विदेश यात्रा सहित अपनी गतिविधियों के बारे में उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए नियुक्त सुरक्षा विंग को पूर्व सूचना देनी होती है।

आजमगढ़ के जिला समाज कल्याण अधिकारी ने प्रतापगढ़ में की आत्महत्या, फंदे से लटकी मिली लाश

आर्यावर्त संवाददाता

गढ़वारा (प्रतापगढ़)। प्रतापगढ के गड़वारा में एक आत्महत्या का मामला सामने आया है। यह आत्मघाती कदम उठाया है प्रतापगढ़ के रहने वाले जिला समाज कल्याण अधिकारी। उनकी पोस्टिंग इन दिनों आजमगढ़ जनपद में थी। आत्महत्या के कारणों का पुलिस पता लगा रही है। हालांकि फौरी तौर पर पारिवारिक मतभेद सामने आ रहा है।

आजमगढ़ में जिला समाज कल्याण अधिकारी के पद तैनात रहे 40 वर्षीय आशीष सिंह ने आत्महत्या की है। उनका कमरे में फंदे पर झूलता हुआ शव मिला। यह देख परिवार के लोग अवाक रह गए। रोना-पिटना मचा तो जानकारी होने पर पड़ोसियों की भी भीड़ जुट गई।

आशीष सिंह का पैतृत गांव पूरे केशव में है। बताया जाता है कि वह तीन दिन पूर्व अपने पैतृक गांव आए थे। उन्हें गुरुवार की सुबह ड्यूटी पर जाना था लेकिन अचानक ऐसा क्या हुआ जो उन्होंने आत्महत्या कर ली। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लिया। साथ ही बारीकी से घटनास्थल की जांच-पड़ताल की।

बताया जाता है कि समाज कल्याण अधिकारी आशीष सिंह की पत्नी दो माह से अपने मायके में रह रही हैं। घटना का कारण घरेलू कलह बताया जा रहा है। पुलिस परिवार के सदस्यों के साथ ही ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता चल सके कि आत्महत्या की असली वजह क्या है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। आशीष तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे।

आशीष सिंह आजमगढ़ में दिसंबर 2024 में ग्रहण किए थे कार्यभार

जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) आशीष के प्रतापगढ़ के अपने पैतृक गांव केशवपुर में आत्महत्या की खबर ने जिलेवासियों खासकर सरकारी महकमे को हतप्रभ कर दिया है। वह आजमगढ़ में 16 दिसंबर 2024 को कार्यभार ग्रहण किए थे। वह मंगलवार सुबह विभागीय मुकदमे में पैरवी के लिए हाई कोर्ट गए थे। मंगलवार को विभागीय अधिवक्ता के साथ संबंधित प्रकरण में तैयारी किए और बुधवार को न्यायालय में अपना पक्ष रखे। इसके बाद वहीं से अपने घर प्रतापगढ़ चले गए।

फर्जी नियुक्ति प्रकरण में उन्होंने दर्ज कराया था मुकदमा

उनके आत्महत्या के पीछे घरेलू मामला बताया जा रहा है। आजमगढ़ में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दो विद्यालयों में फर्जी नियुक्ति के प्रकरण में बतौर वादी शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। विभागीय सूत्रों के अनुसार फर्जी नियुक्ति प्रकरण में मऊ जिले में दर्ज मुकदमा और जिले में दो दर्ज मुकदमों की फाइल एक साथ हाईकोर्ट में लगी थी, जिसमें आजमगढ़ में दर्ज मुकदमों के संबंध में पैरवी के लिए आशीष सिंह हाई कोर्ट गए थे। विभागीय कर्मचारियों की मानें तो पिछले महीने आजमगढ़ में दर्ज मुकदमों में वादी के तरफ से हाईकोर्ट में दायर याचिका के लेकर मुकदमे की पैरवी के तैयारी को लेकर जहां कुछ उलझन में थे वहीं पत्नी से विवाद की भी चर्चा है। बताया गया कि उनसे अक्सर पत्नी से टेलीफोन पर कहासुनी होती थी।

पुराना गुरुद्वारा, लखनऊनाका प्रकरण पर प्रशासन सुस्त

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। विदित हो कि नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के लखनऊ नाका पर सैकड़ों वर्षों से स्थित ऐतिहासिक उदासीन संगत आश्रम पुराना गुरुद्वारा नया अखाड़ा की बेशकीमती करोड़ों की संपत्ति को समाजवादी पार्टी सुल्तानपुर के नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी उर्फ राजू पुत्र स्व. सूर्यप्रकाश, संतोष चौधरी पुत्र स्व. गुलाबचंद्र निवासीगण पुरानी हनुमानगढ़ी लखनऊ नाका थाना कोतवाली नगर सुल्तानपुर व आलोकनाथ अग्रहरि पुत्र स्व. बृजकुमार निवासी गभडिया आदि लोगों द्वारा फर्जी बैनामे करके विक्रय करने का आरोप लगा था जिसकी जांच होने पर राजस्व निरीक्षक नगर की रिपोर्ट में यह पुष्टि हुई कि उपरोक्त सभी 9 बैनामे गुरुद्वारा पंजाबी सिख नानकशाह के स्वामित्व वाली भूमि व मकान का हुआ है जिसमें गुरुद्वारे के किरायेदार कई दशकों से आवासित हैं। साथ ही यह भी बताया गया कि उपरोक्त सभी रजिस्ट्री, दानपत्र विलेख, बिल्डर एग्रीमेंट तथ्यों को छुपाकर किया गया है।

बीते 6 अगस्त 2025 को धर्मेंद्र चौधरी, संतोष चौधरी, लोकनाथ अग्रहरि, फतेहपुर संगत आश्रम के गद्दी महंत बाबा धर्मप्रकाश, बाबा शीतलदास, अक्षांश अग्रहरि, ओपी यादव समेत अन्य 10 अज्ञात लोगों पर गुरुद्वारे पर अवैध कब्जे करने के प्रयास में नगर कोतवाली में दर्ज हुआ था मुकदमा। दिनांक 8 अगस्त 2025 की पैमाईश की रिपोर्ट में गुरुद्वारा वर्तमान में 0.0791 हे. यानी लगभग साढ़े 6 बिस्वा में स्थित है, जिसका क्रय विक्रय 1597/6 के सहखातेदारों धर्मेंद्र चौधरी, संतोष चौधरी व आलोकनाथ अग्रहरि द्वारा किया जा रहा है। इस प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए सुल्तानपुर विधायक/पूर्व मंत्री विनोद सिंह की द्वारा सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर उच्च स्तरीय जांच व दोषियों पर कार्यवाही करने की बात कही है।

डीएम के आदेश के बाद भी जांच करने नही पहुंची नामित जांच टीम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। जिलाधिकारी के आदेश की समय सीमा बीत जाने के बाद भी नामित जांच टीम अभी तक जांच प्रकिया शुरु नहीं की है जिससे घपलेबाजी व फ्राड जैसे गंभीर मामले की निश्पक्ष जांच में सवाल उठ रहे है।

मामला तहसील क्षेत्र बल्दीराय अन्तर्गत ग्राम पंचायत सिंघनी का हैं शिकायतकर्ता प्रवीण कुमार सिंह ने को ग्राम प्रधान विकाश यादव पर इक्कीस वर्ष पूरे न होने पर मार्कसीट व आधार में हेराफेरी करते हुए प्रधान पद हथियाने तथा बिना खुली बैठक ग्राम पंचायत के विकास कार्य का धन बंदर वाट करने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को सशपथ पत्र देकर निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की थी। जिले के ईमानदार जिला अधिकारी ने 6/8/25 शिकायत को त्वरित संज्ञान में लेते हुए जांच अधिकारी नामित करते हुए तीस दिवस के अंदर जांच आख्या प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। लेकिन नामित जांच अधिकारी ने अभी तक ग्राम पंचायत में जांच की प्रक्रिया ही नहीं शुरू की। शिकायतकर्ता प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि नामित जांच अधिकारी ने पूर्व में एक अन्य प्रकरण की जांच भी की थी लेकिन निष्पक्ष जांच न होने के कारण गंभीर मामले को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी को एक प्रार्थना पत्र देकर जांच अधिकारी को हटाकर किसी दूसरे सक्षम अधिकारी को जांच अधिकारी नामित कर मामले की निष्पक्ष जांच करवाए जाने की मांग की। यही शिकायतकर्ता ने मामले की जांच में हो रही देरी में कई सवाल उठाते हुए 10/9/25 को इस गंभीर प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए पीएम तथा मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। अब देखना यह होगा कि ग्राम पंचायत सिंघनी के भ्रष्टाचार मामले की जांच निष्पक्ष होती है या पूर्व की जांच की भांति मामले को क्लीन चिट दे दी जाएगी फिलहाल ग्राम पंचायत में हुए भ्रष्टाचार की चर्चा चारों तरफ हो रही है।

आईएएस पर उत्पीड़न का आरोप लगाया. . .अब उन 3 महिला अफसरों का ट्रांसफर, इन 11 का भी तबादला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राज्य कर विभाग में नोएडा से शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। विभाग के अपर आयुक्त पर उत्पीड़न और अभद्र व्यवहार का आरोप लगाने वाली तीन महिला अधिकारियों सहित कुल 14 अफसरों का तबादला कर दिया गया है। ट्रांसफर की इस कार्रवाई ने न केवल नोएडा, बल्कि राज्य के प्रशासनिक हलकों में खलबली मचा दी है। पिछले दो महीनों से नोएडा का राज्य कर विभाग सुर्खियों में बना हुआ है। नोएडा में तैनात तीन महिला अधिकारियों ने अपने वरिष्ठ अधिकारी, अपर आयुक्त, पर उत्पीड़न, शोषण और अभद्र व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए थे। शिकायत का दायरा लखनऊ से लेकर दिल्ली तक पहुंचा, जिसके बाद मामले की जांच के लिए एक कमेटी गठित की गई। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी, लेकिन उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इस बीच, बुधवार को राज्य कर विभाग ने 14 अधिकारियों की ट्रांसफर लिस्ट जारी कर दी, जिसमें नोएडा के छह अधिकारी शामिल हैं।

कौन-कौन आया ट्रांसफर की जद में?

ट्रांसफर लिस्ट में शामिल प्रमुख नाम इस प्रकार हैं: विवेक आर्या, अपर आयुक्त ग्रेड-2 (एसआईबी), गौतमबुद्ध नगर, को मुरादाबाद अपील में भेजा गया।

आलोक कुमार, संयुक्त आयुक्त (एसआईबी), गौतमबुद्ध नगर, को उच्च न्यायालय कार्य, प्रयागराज ट्रांसफर किया गया।

प्रियंका, सहायक आयुक्त (सचल दल), गौतमबुद्ध नगर, को उच्च न्यायालय कार्य, लखनऊ।

वंदना सिंह, सहायक आयुक्त (सचल दल), गौतमबुद्ध नगर, को उच्च न्यायालय कार्य, प्रयागराज।

शिखा सिंह, सहायक आयुक्त (सचल दल), गौतमबुद्ध नगर, को महोबा।

रोहित रावत, सहायक आयुक्त (सचल दल), गौतमबुद्ध नगर, को टैक्स ऑडिट, अयोध्या।

इनका भी नाम ट्रांसफर में

इसके अलावा, अन्य जिलों से भी कई अधिकारियों को गौतमबुद्ध नगर में स्थानांतरित किया गया है। इनमें ज्योति भौंत (कानपुर से गौतमबुद्ध नगर), कौशलेन्द्र कुमार राय (सहारनपुर से गौतमबुद्ध नगर), सत्यव्रत उपाध्याय (आगरा से गौतमबुद्ध नगर), प्रशांत कुमार राय (महोबा से गौतमबुद्ध नगर), राजीव कुमार सिंह (कानपुर से गौतमबुद्ध नगर), और सुरेन्द्र कुमार (अयोध्या से गौतमबुद्ध नगर) शामिल हैं। वहीं, मथुरा के प्रशांत कुमार-1 को एसआईबी कानपुर प्रथम और अनिल कुमार-2 को अपील मथुरा भेजा गया है। महिला अधिकारियों की शिकायत के बाद गठित जांच कमेटी ने नोएडा के सचल दल के कामकाज की समीक्षा की और अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। हालांकि, इस रिपोर्ट पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे कई सवाल उठ रहे हैं। अब ट्रांसफर की इस कार्रवाई को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। कुछ का मानना है कि यह कदम मामले को दबाने की कोशिश हो सकता है, जबकि अन्य इसे प्रशासनिक सुधार का हिस्सा मान रहे हैं। नोएडा के राज्य कर विभाग में यह मामला अब कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच चर्चा का केंद्र बना हुआ है। महिला अधिकारियों द्वारा लगाए गए आरोपों ने कार्यस्थल पर लैंगिक संवेदनशीलता और अधिकारियों की जवाबदेही जैसे मुद्दों को फिर से सामने ला दिया है। ट्रांसफर के बाद अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या जांच कमेटी की रिपोर्ट पर कोई ठोस कार्रवाई होती है या मामला यूं ही ठंडे बस्ते में चला जाता है।

टीईटी अनिवार्यता आदेश से शिक्षक समाज में संकट : प्रदेशव्यापी संघर्ष की तैयारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा टीईटी (ज्म्ज) अनिवार्य रूप से लागू करने के आदेश के बाद पूरे देश के शिक्षक समुदाय में गहरी निराशा और तनाव का माहौल व्याप्त है। इस निर्णय के परिणामस्वरूप लगभग दस लाख शिक्षक अपनी आजीविका के संकट से जूझ रहे हैं। शिक्षकों के बीच मुख्य चर्चा यह है कि जब उन्होंने शासन द्वारा जारी अधिसूचना के सभी मानदंड पूर्ण कर नियुक्ति पाई थी, तब सेवा के मध्य में टीईटी परीक्षा देना कितना उचित है। क्या ऐसी व्यवस्था अन्य सरकारी उपक्रमों व विभागों में भी लागू की जाती है? उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा ने प्रदेशभर के साथ-साथ अन्य राज्यों के शिक्षकों को भी इस संकट से बचाने का आश्वासन देते हुए व्यापक आंदोलन की रूपरेखा तैयार की है। उन्होंने शिक्षक भवन, लखनऊ में जिलाध्यक्षों, मंत्रियों की आपात बैठक आहूत कर संघर्ष की रणनीति पर चर्चा की। डॉ. शर्मा ने शिक्षकों के बीच जनजागरण का आह्वान करते हुए संयमित संघर्ष में शतप्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। प्रदेश में करीब दो लाख नॉन टीईटी शिक्षक इस आदेश से प्रभावित हो रहे हैं। इसको लेकर डॉ. शर्मा ने जिलाध्यक्षों से टीईटी, नॉन टीईटी, बीटीसी, विशिष्ट बीटीसी, प्रशिक्षणमुक्त, इंटर पास, उर्दू मुअल्लिम आदि श्रेणियों का विस्तृत डाटा 12 सितंबर तक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया ताकि प्रभावित शिक्षकों की सही संख्या का आंकलन हो सके। इसके अतिरिक्त, 16 सितंबर को प्रदेश के सभी जिलों में जिलाधिकारियों को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा।

प्रदर्शन के पहले योगी की पुलिस ने कांग्रेसियों को घरों में किया कैद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। गुरुवार को वोट चोर गद्दी, छोड़ के नारे को बुलंद करने हेतु कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के आवाहन पर जनपद के कांग्रेसी वाराणसी के बाबतपुर हवाई अड्डे पहुंचने की तैयारी में जुटे थे लेकिन रात ही पुलिस सक्रिय हो गई और कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा, सुब्रत सिंह सनी, वरुण मिश्र हामिद रायना सहित आधा दर्जन से अधिक कांग्रेसियों को हाउस अरेस्ट कर लिया गया। आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वाराणसी के बाबतपुर एयरपोर्ट पर कांग्रेसियों द्वारा वोट चोर, गद्दी छोड़ नारे को बुलंद कर विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी चल रही थी लेकिन योगी सरकार के इशारे पर बीती रात जनपद की पुलिस हाई अलर्ट हो गई और कांग्रेस के नेताओं को घर में कैद कर हाउस अरेस्ट कर लिया इसके बाद जनपद के कांग्रेसी आक्रोशित हो गए, दोपहर बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष समेत दर्जनों कांग्रेसी पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच गए जहां उन्होंने अपने गुस्से का इजहार किया इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पुलिस को आगे कर लोकतंत्र में प्रदर्शन की आजादी को खत्म कर रही है, जो इस देश के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारे जननायक नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दो दिवसीय रायबरेली दौरे पर थे जब बीच में उनके रास्ते को रोका गया तब पुलिस की सक्रियता कहां गई थी। योगी की पुलिस सिर्फ विपक्ष के नेताओं की आवाज को दबाने के लिए हाई अलर्ट रहती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हमारे नेताओं का रास्ता बंद किया जा रहा है उन्हें काले झंडे दिखाए जा रहे हैं तब पुलिस की सक्रियता नहीं दिखती। आज भाजपा की तानाशाही के खिलाफ हम लोगों द्वारा सिर्फ रणनीति तैयार की जाती है उसके पहले ही योगी की पुलिस की सक्रियता बढ़ा दी जाती है और हम लोगों को घरों में कैद कर हमारी आवाज को दबाने का प्रयास किया जाता है लेकिन ऐसा कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अवध किसान आंदोलन के प्रणेता महान स्वतंत्रता संग्राम स्व बाबा रामलाल मिश्र की प्रतिमा स्थापित किए जाने हेतु कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व में कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल डीएम से मिला और जिले में प्रतिमा स्थापित करने हेतु मांग की है। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा महान स्वतंत्रता संग्राम व अवध किसान आंदोलन के प्रणेता स्व बाबा रामलाल मिश्र को महान नायक बताया और उनकी प्रतिमा शहर में ससम्मान स्थापित किए जाने हेतु जिला प्रशासन से मांग की है। इस मौके पर शहर अध्यक्ष, सुरेश चंद्र मिश्र, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रत्याशी वरुण मिश्र, आवेश अहमद, हौसिला भीम, अनवर हुसैन, शाहबाज खान आदि लोग शामिल रहे।

प्रताप सेवा समिति की पहल, नशा मुक्त अभियान का बना हिस्सा

सुलतानपुर। स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज के परिसर में डायलिसिस सेंटर के पास जहां पर पूर्व में मरीजों का पर्चा बनता था, उसी कक्ष में ओएसटी सेंटर का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर आरके मिश्रा के द्वारा किया गया। उक्त अवसर एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर पवन सिंह सुपरचित मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सहाबुद्दीन अम्मार, डां.अबसार, मैट्रन मूर्ता, अंजलि सहित दर्जनों लोगों उपस्थित रहे। यह केंद्र नाको द्वारा संचालित है। समाजसेवी संस्था प्रताप सेवा समिति नशे के रोगियों के लिए खोजी अभियान चलाकर यहां इलाज करवाएगी। प्रताप सेवा समिति के सचिव विजय विद्रोही ने कहा कि संस्था द्वारा इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यकर्ताओं द्वारा शत-प्रतिशत सहयोग करेगा,प्रताप सेवा समिति के सचिव विजय विद्रोही ने बताया की इस मुहिम में उत्तर प्रदेश राज्य एड्स सोसाइटी से सीपीओ रिचा श्रीवास्तव प्रयागराज, दिशा अयोध्या से डां. , सुप्रिया राज, अमित मिश्र, राज पांडेय आदि की गरिमामय उपस्थित रही।

फर्जी डिग्री से क्लीनिक चलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस ने दर्ज किया गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। असली डॉक्टर के नाम पर फर्जी डिग्री तैयार कर उसे बेचने, उससे कई जिलों में अवैध रूप से क्लीनिक व डायग्नोस्टिक सेंटर चलाने वाले गिरोह के पांच सदस्यों पर गुलरिहा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज किया है। गिरोह का सरगना कुशीनगर जनपद के तमकुहीराज थाना क्षेत्र के हरिहरपुर निवासी अलाउद्दीन को बनाया गया है।

गिरोह के अन्य सदस्यों में गाजीपुर के पदुमपुर मैगरराय निवासी बृजेश लाल, वाराणसी के ओमप्रकाश गौतम और दीपक विश्वकर्मा, साथ ही प्रयागराज के श्रीराम पांडेय शामिल हैं। गुलरिहा थाने में 17 मई 2024 को डॉ. राहुल नायक ने दी तहरीर में बताया था कि उनके नाम से फर्जी डिग्री बनवाकर अल्ट्रासाउंड और डायग्नोस्टिक सेंटर चलाया जा रहा है। जांच में पता चला कि गाजीपुर के जखनियां में उक्त डिग्री के आधार पर अवैध डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित हो रहा है।

पुलिस ने सेंटर के संचालक बृजेश लाल को गिरफ्तार किया, जिसके बयान पर गिरोह का भंडाफोड़ हुआ। बृजेश ने बताया कि उसे यह डिग्री वाराणसी के सारनाथ निवासी ओमप्रकाश गौतम ने 50 हजार रुपये में बेची थी। ओमप्रकाश पटना से अवैध डिप्लोमा बनवाकर वाराणसी के जाल्हूपुर में 'आदर्श डेंटल एंड आई क्लीनिक' चला रहा था।

उसने यह डिग्री दीपक विश्वकर्मा से 35 हजार में खरीदी थी, जो चौबेपुर में सहारा अस्पताल का संचालक है। दीपक ने बताया कि अस्पताल में काम करने वाला सुहैल फर्जी डिग्री मुहैया कराता था।

पुलिस जांच में वाराणसी और प्रयागराज में भी फर्जी डिग्री के आधार पर क्लीनिक संचालित होने की पुष्टि हुई है। सभी आरोपितों पर गैंग्सटर एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि गैंग्सटर की कार्रवाई के बाद राजस्टव टीम की मदद से आरोपितों के संपत्ति का व्यौरा जुटाया जाएगा। इसके बाद जब्ती की कार्रवाई होगी।

पूर्व बसपा विधायक को आजीवन कारावास की सजा, 31 साल पहले दो सगे भाइयों की हत्या का मामला, भारी फोर्स तैनात

आर्यावर्त संवाददाता

उरई। उरई में दो सगे भाइयों की हत्या में दोषी करार बसपा के पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान ने गुरुवार को आत्मसर्मपण किया। एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई के बाद न्यायाधीश भारतेंदु सिंह ने पूर्व विधायक को दोषी करार करते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सजा का एलान होते ही पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। उन्हें जेल ले जाया जाएगा। वहीं, कोर्ट के बाहर भारी मात्रा में उनके समर्थक मौजूद हैं। इसलिए पुलिस भारी संख्या में तैनात कर दी गई है।

बता दें कि चुर्खी थाना क्षेत्र के बिनौरा बैध गांव में 30 मई 1994 की दोपहर प्रधान के चुनाव की रंजिश व वर्चस्व को लेकर गांव के ही राजकुमार उर्फ राजा भइया और उनके सगे भाई जगदीश शरण की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने इस मामले में पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान को दोषी करार दिया। सजा सुनाने के लिए 11 सितंबर की तारीख तय की गई थी। दोषी करार होने के बाद से छोटे सिंह फरार था।

राजनैतिक षड्यंत्र में फंसाया जा रहा

अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान ने लिखा है कि मेरे पूरे विधानसभा परिवार को मेरा प्रणाम। जैसा की सर्वविदित है कि किस प्रकार आपके इस सेवक को राजनैतिक षड्यंत्र में फंसाया जा रहा है... परंतु मुझे भारत की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है...। क्योंकि उक्त प्रकरण में मेरी किसी भी प्रकार की संलिप्तता नहीं थी... परंतु कुछ गणमान्य व्यक्तियों को मेरा क्षेत्र में रहना व सबके सुख-दुख में शामिल होना खल रहा था...। आज मेरे साथ पूरा जनपद परिवार खड़ा हुआ है।

आपका छोटे सिंह हमेशा न्याय के लिए संघर्ष करता आया है

जोकि साफ संदेश दे रहा है की संघर्ष की रात के बाद एक नया सवेरा होगा.. और तथाकथित षड्यंत्रकारी लोग सिर्फ षड्यंत्र करते रह जाएंगे...। लेकिन मेरे लहू का कतरा-कतरा आप सबके लिए है और मरते दम तक अपने लोगों की आवाज को बुलंद करता रहूंगा... उसके लिए भले कितना संघर्ष देखना पड़े... आपका छोटे सिंह हमेशा न्याय के लिए संघर्ष करता आया है और करता रहेगा...। मुझे पूरा विश्वास है कि मेरे सभी साथी दिनांक 11 सितंबर को सुबह 9 बजे जनपद न्यायालय उरई में पहुंचेंगे...। भारत माता की जय। आपका छोटे सिंह चौहान, पूर्व विधायक कालपी।

यह है घटनाक्रम

बिनौरा बैध गांव निवासी राजकुमार और जगदीश के भाई रामकुमार ने थाने में तहरीर दी थी। इसमें बताया था कि 30 मई 1994 दोपहर 11:30 बजे वह कोठी वाले मकान के बरामदे में बड़े भाई जगदीश शरण, राजकुमार उर्फ राजा भैया, भतीजे कुलदीप कुमार, जीजा रामेंद्र सेन, गांव के वीरेंद्र सिंह व रामकरन तिवारी के साथ बैठकर बात कर रहा था। इसी दौरान गांव के रुद्रपाल सिंह उर्फ लल्ले गुर्जर, राजा सिंह, संतावन सिंह गुर्जर, करन सिंह उर्फ कल्ले व दो अज्ञात अंदर घुस आए। सभी लोग हाथों में बंदूकें व राइफल लिए थे। रुद्र ने कहा कि सभी को घेर लो, कोई जिंदा न बच पाए। इसके बाद इन लोगों ने बंदूक और राइफल से फायरिंग कर दी।

कोर्ट में शीघ्र सुनवाई का आदेश दिया था

गोली लगने से उसके भाई राजकुमार व जगदीश की मौके पर ही मौत हो गई थी और वीरेंद्र सिंह घायल हो गए थे। पुलिस की विवेचना में दोहरे हत्याकांड में छोटे सिंह, अखिलेश कृष्ण मुरारी, बच्चा सिंह, छुन्ना सिंह के नाम भी शामिल किए गए थे। 18 फरवरी 1995 को सभी आरोपियों के खिलाफ वाद जिला एवं सत्र न्यायालय में शुरू हुआ था। वर्ष 2007 में बसपा के टिकट पर कालपी विधानसभा सीट से छोटे सिंह चौहान विधायक बने। हाईकोर्ट से जमानत होने के बाद छोटे सिंह का केस प्रदेश सरकार ने वापस ले लिया था। छोटे सिंह की पत्रावली अपर सत्र एफटीसी ने 19 मई 2005 को समाप्त कर दी थी। इसके बाद वादी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। 24 अप्रैल 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के आदेश को निरस्त हुए एमपी-एमएलए कोर्ट में शीघ्र सुनवाई का आदेश दिया था।

दहेज हत्याभियुक्ता गिरफ्तार

करनैलगंज (गोण्डा)। अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कर्नलगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-342/2025 धारा 103 (1)/85 बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट से सम्बन्धित आरोपी अभियुक्ता कदरुन निशा पत्नी स्व0 साकिर अली को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के मुताबिक बीते 30.08.2025 को वादी जमील पुत्र नजीर मो० निवासी ग्राम रायपुर थाना कटरा बाजार जनपद गोण्डा द्वारा थाना कर्नलगंज में लिखित तहरीर दी गयी कि उसकी बहन राकिया बानो की शादी साहिद अली पुत्र साकिर अली निवासी ग्राम मीनापुर थाना करनैलगंज जनपद गोण्डा के साथ दस बारह साल पहले हुई थी। आए दिन वादी की बहन को उसके पति व ससुरालीजनों द्वारा दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा था, दिनांक 30.08.2025 को सूचना मिली वादी की बहन को पति साहिद अली पुत्र साकिर अली व उसके परिवारीजन द्वारा जान से मार दिया गया है।

अनियंत्रित होकर खंती में पलटी रोडवेज बस, पांच लोगों की दर्दनाक मौत, दस गंभीर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। काकोरी में बेहता नदी पुल के पास बृहस्पतिवार देर शाम तेज रफ्तार बस गड्ढे में पलट गई। हादसे में पांच यात्रियों की मौत हो गई। बस में कुल 44 यात्री सवार थे। इनमें चालक व परिचालक समेत 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सीएचसी काकोरी में प्रारंभिक इलाज के बाद ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया।

बच चालक अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि वह हरदोई से लखनऊ लौट रहे थे। हादसे में घायल परिचालक मो. रेहान के मुताबिक बृहस्पतिवार देर शाम करीब सात बजे बाइक सवार को बचाने के चक्कर में ट्रैक्टर-टैंकर सड़क पर अनियंत्रित होकर पलट गई। इसी बीच वहां से गुजर रही रोडवेज बस ट्रैक्टर-टैंकर से टकरा कर 20 फीट गहरे गड्ढे में जा गिरी। रफ्तार में होने के कारण बस ने आठ बार पलटी खाई। बस के पहिए ऊपर हो गए थे। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर टिकैतगंज गांव के ग्रामीण वहां पहुंचे। ग्रामीणों ने पुलिस के घटना की सूचना दी। कड़ी मशक्कत के बाद बस को सीधा किया गया। इसके बाद बस के भीतर फंसे लोगों को निकालने की कवायद शुरू की गई। बस के भीतर कई लोग दबे हुए थे। जेसीबी और क्रेन की मदद से बस के हिस्से को काटा गया। घटना की जानकारी पाकर डीएम, पुलिस आयुक्त, कमिश्नर समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ भी राहत एवं बचाव कार्य में जुट गई।

कई घायल खुद से भागकर पहुंचे अस्पताल

इससे पहले कि मौके पर एंबुलेंस या पुलिस की गाड़ियां पहुंचती घायल खुद की जान बचाने के लिए अस्पताल की ओर दौड़ पड़े। कुछ लोगों ने ग्रामीणों की मदद ली और सीएचसी पहुंचे। एक घायल को स्कूटी पर लादकर ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। बाद में एंबुलेंस की मदद से घायलों को सीएची और फिर वहां से ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। कई घायल इलाज के बाद घर चले गए। डीएम विशाख जी के मुताबिक हादसे में पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। घायलों का समूचित इलाज कराया जा रहा है। पुलिस और प्रशासन की टीम घटना स्थल के अलावा सीएचसी और ट्रॉमा सेंटर मौजूद है।

दो बाइकसवार भी आए चपेट में, एक शव के उड़े चिथड़े

हादसे के दौरान दो बाइक सवार भी बस की चपेट में आ गए। बस के नीचे बाइक दबकर क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं, एक व्यक्ति बस की चपेट में आकर उसके बाएं हिस्से में फंस गया। घटना के करीब 50 मिनट बाद जेसीबी की मदद से जब बस को निकाला जा रहा था तब शव उसी में चिपका हुआ मिला। शव के चिथड़े उड़ गए थे।

ट्रॉमा सेंटर में चार गंभीर घायलों को ले जाया गया, जिन्हें डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इनमें बालुराम, नंदेव, हैदरगंज निवासी संजीव कुमार, आलमनगर निवासी अरविंद कुमार और दिलशाद शामिल हैं। ट्रॉमा सेंटर में भर्ती घायलों के नामइरशाद 58 निवासी दुबग्गा, संजय पाल 35 निवासी दुगौली, सुहैल अहमद 40 निवासी हरचंदपुर गड़ी कनौरा, अनिल 59 निवासी सिंगारनगर, शुभजीत 37 निवासी रजनी खंड आशियाना, राकेश कुमार 45 निवासी इंदिरानगर, लवकुश 25 निवासी हुलास खेड़ा मोहनलालगंज, भारत कुमार 38 निवासी एकता नगर, बसंतदेवी 25 निवासी बालाजी, हरदोई और दिनेश 38 निवासी कठवारा बक्शी का तालाब।

प्रत्यक्षदशी ने कहा, बस ने मारी थी ट्रैक्टर में टक्कर

प्रत्यक्षदर्शी साहा ने बताया कि वह कार से राजाजीपुरम से लौट रहे थे। बस तेज रफ्तार में थी। बस ने आगे जा रही ट्रैक्टर टैंकर को पहले टक्कर मारी थी। इसके बाद बाइकसवार को चपेट में लेते हुए गहरे गड्ढे में जा गिरी। साहा ने कार रोककर लोगों को बस से निकालने में मदद की। इसके बाद घायलों को ट्रॉमा सेंटर भी पहुंचाया।

ग्रामीण अंचल में खेल मैदानों से निखर रही खेल प्रतिभाएं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व और निर्देशन में प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को निखारने तथा उन्हें सक्षम और दक्ष बनाने के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रों में खेलकूद का आधारभूत ढांचा मजबूत किया जा रहा है। मनरेगा योजनान्तर्गत गांवों में स्टेडियम, ओपन जिम, खेल मैदान और पार्क बनाए जा रहे हैं, जिससे न केवल युवाओं को खेलों में प्रोत्साहन मिल रहा है बल्कि श्रमिकों को भी निरंतर रोजगार मिल रहा है।ग्राम्य विकास विभाग की इस पहल से गांवों में खेल की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे युवा आर्मी, पुलिस, सीआरपीएफ सहित अन्य सुरक्षा बलों की तैयारी अपने गांव में रहकर कर रहे हैं। रनिंग ट्रैक बनने से उन्हें अभ्यास करने का पर्याप्त अवसर मिल रहा है। साथ ही खेल मैदान पिकनिक स्पॉट बन गए हैं, जहां बच्चे खेलकूद के साथ-साथ परिवार और पड़ोसियों के साथ समय बिताते हैं। सुबह और शाम को बुजुर्ग भी मॉर्निंग वॉक के लिए मैदान का उपयोग कर रहे हैं।उपमुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि खेल मैदानों का निर्माण न केवल खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का माध्यम है, बल्कि यह शहरी और ग्रामीण विभाजन को भी समाप्त कर रहा है। खेलों के जरिए ग्रामीण युवाओं की शारीरिक दक्षता में सुधार हो रहा है और उनमें खेलों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। जो युवा पहले सुविधाओं के अभाव में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं कर पाते थे, वे अब खेल मैदानों की मदद से बेहतर प्रदर्शन कर अपने गांव, जनपद, प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रहे हैं।ग्राम पंचायत स्तर पर खेल मैदानों का निर्माण मनरेगा और विभिन्न विभागों के कन्वर्जेंस से तेज गति से कराया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 6,589 खेल मैदान बनाए गए जबकि चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 2,185 से अधिक मैदानों का निर्माण पूरा हो चुका है और 12,419 खेल मैदानों का कार्य प्रगति पर है। वर्ष 2017-18 से अब तक कुल 24,129 खेल मैदान विकसित किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर ध्यानचंद की 120वीं जयंती) के अवसर पर प्रदेशभर में इन मैदानों पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों और युवाओं ने भाग लिया।मनरेगा से जुड़े श्रमिकों को भी इस निर्माण कार्य से रोजगार का स्थायी साधन मिल रहा है। खेल मैदान बनाने के काम में उन्हें प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे उनकी आजीविका आसान हो रही है। यह योजना न केवल खेल को बढ़ावा दे रही है।

• संक्षेप •

लखनऊ में शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के जोन मध्य के थाना महानगर पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने बताया कि आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था, जिसे विवेकानन्द पुल थाना महानगर से पकड़ा गया।थाना महानगर में दर्ज मुकदमे के अनुसार, अभियुक्त सुमित कन्नौजिया पुत्र हरीश चन्द्र प्रसाद निवासी करनपुर उर्फ पंचफेडा, रामपुर खास, थाना रामपुर कारखाना, जिला देवरिया उम्र करीब 29 वर्ष ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ संबंध बनाए थे। पीड़िता की शिकायत पर दिनांक 28 अगस्त 2025 को थाना महानगर में मु0अ0सं0 231/2025 धारा 69 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद अभियुक्त फरार हो गया था।पुलिस टीम ने अभियुक्त की तलाश में सक्रियता दिखाते हुए विवेकानन्द पुल थाना महानगर से उसे गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पूछताछ में अभियुक्त ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने की बात स्वीकार की। पुलिस ने बताया कि इस अपराध में आरोपी की भूमिका स्पष्ट पाई गई है और आगे की जांच जारी है।गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक महेश कुमार शुक्ला और उपनिरीक्षक दीपक कुमार बिन्द की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने जनता से अपील की है कि इस तरह की घटनाओं में संकोच न करें और तत्काल शिकायत दर्ज कराएं ताकि अपराधियों पर कठोर कार्रवाई की जा सके।

लखनऊ में प्रेम विवाह को लेकर युवक की हत्या का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र में प्रेम विवाह को लेकर हुई युवक की हत्या का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। थाना निगोहां और दक्षिणी जोन की सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर घटना में शामिल आरोपियों को सिसेण्डी मार्ग स्थित जंगल तिराहा के पास से पकड़ लिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल भी बरामद कर लिया और दोनों अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। वहीं, अन्य फरार अभियुक्तों की तलाश तेज कर दी गई है।जानकारी के अनुसार, मृतक शनि रावत ग्राम शंकर बक्श खेडा, थाना मोहनलालगंज का निवासी था। करीब डेढ़ वर्ष पहले उसने ग्राम मस्तीपुर निवासी जीतू यादव की बहन से प्रेम विवाह किया था। इस विवाह से नाराज होकर जीतू यादव का भाई देवेश यादव उर्फ बोग्गा और उसका परिवार शनि से रुष्ट हो गया। हाल ही में शनि रावत की पत्नी ने बच्चे को जन्म दिया, जिससे नाराजगी और बढ़ गई। इसी वजह से देवेश यादव ने अपने भाई जीतू यादव, साले संतोष यादव तथा अन्य साथियों के साथ मिलकर शनि रावत की हत्या की योजना बनाई।पुलिस के अनुसार, 8 सितंबर 2025 को संतोष यादव ने जेल रोड स्थित देशी शराब ठेका के पास शनि रावत को फोन कर बुलाया।

लखनऊ में शिक्षकों को फॉर्म 16 न मिलने से आईटीआर भरने में दिक्कत, आम आदमी पार्टी ने जताई नाराजगी

लखनऊ। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आईटी चौराहे स्थित रामाधीन सिंह इंटर कॉलेज के शिक्षकों को फॉर्म 16 उपलब्ध न कराए जाने से आयकर रिटर्न (ITR) भरने में समस्या उत्पन्न हो गई है। शिक्षकों का आरोप है कि जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से फॉर्म 16 नहीं मिलने के कारण वे समय पर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं कर पा रहे हैं। आयकर विभाग द्वारा निर्धारित अंतिम तिथि 15 सितंबर है, जबकि फॉर्म 16 न मिलने पर 10 हजार रुपये तक का जुर्माना लग सकता है। इससे शिक्षकों में रोष व्याप्त है।आम आदमी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने बताया कि विद्यालय के सभी शिक्षकों ने 28 अगस्त को प्रधानाचार्य को लिखित रूप से फॉर्म 16 उपलब्ध कराने की प्रार्थना की थी। प्रधानाचार्य ने जिला विद्यालय निरीक्षक को पत्र भी लिखा, लेकिन अभी तक फॉर्म 16 उपलब्ध नहीं कराया गया। महेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि जिला विद्यालय निरीक्षक फॉर्म 16 के लिए शिक्षकों से धन उगाही कर रहे हैं।

मुरादाबाद में तथागत गौतम बुद्ध पार्क में 'सीनियर केयर सेंटर' न बनाए जाने का फैसला स्वागत योग्य : मायावती

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने मुरादाबाद जिले के मान्यवर कांशीराम नगर में स्थित प्रसिद्ध तथागत गौतम बुद्ध पार्क में 'सीनियर केयर सेंटर' का निर्माण न किए जाने के राज्य सरकार के फैसले का स्वागत किया है। मायावती ने कहा कि यह पार्क शहर का लोकप्रिय स्थल है और बौद्ध धर्म, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, मान्यवर कांशीराम तथा विभिन्न वर्गों, विशेषकर बहुजन समाज के अनुयायियों की आस्था का केंद्र है। ऐसे स्थल पर निर्माण न कर इसे अन्यत्र बनाए जाने का निर्णय सराहनीय है।उन्होंने राज्य सरकार का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह फैसला सामाजिक भावनाओं का सम्मान करने वाला कदम है। साथ ही मायावती ने उम्मीद जताई कि उत्तर प्रदेश सरकार भविष्य में भी प्रदेश में सामाजिक शांति, आपसी सद्भाव और भाईचारे को बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी।

लखनऊ नगर निगम मुख्यालय में महापौर का औचक निरीक्षण, कई अधिकारी–कर्मचारी अनुपस्थित मिले

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय में गुरुवार सुबह 10:45 बजे महापौर सुषमा खर्कवाल ने औचक निरीक्षण कर अनुपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई का संकेत दिया। निरीक्षण के दौरान कई उच्च अधिकारी और कर्मचारी अपनी सीट से नदारद पाए गए, जिससे महापौर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य गेट पर ताला लगवा दिया और अटेंडेंस रजिस्टर जब्त कर लिया।निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त गौरव कुमार अपने कार्यालय में मौजूद मिले, लेकिन अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, नम्रता सिंह, अरुण कुमार गुप्ता, डॉ. अरविंद कुमार राव, उप नगर आयुक्त रश्मि भारती तथा सहायक नगर आयुक्त विकास सिंह, विनीत सिंह और रामेश्वर प्रसाद अनुपस्थित पाए गए। इसके अलावा चीफ इंजीनियर महेश वर्मा भी समय पर कार्यालय में नहीं पहुंचे।महापौर ने बताया कि मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी महामिलिंद लाल, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह और नगर स्वास्थ्य अधिकारी पी.के. श्रीवास्तव अपने कार्यालय में मौजूद पाए गए, जिनकी कार्यशैली से उन्होंने संतोष जताया। वहीं, 311 एप के माध्यम से ली गई अटेंडेंस सूची में कई कर्मचारियों के मुख्यालय में उपस्थित होकर भी अपनी सीट छोड़कर जाने की पुष्टि हुई। महापौर ने ऐसे कर्मचारियों की जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज मंगवाने के निर्देश दिए और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।महापौर ने कहा कि नगर निगम जनता की सेवा और सुविधाओं को सुनिश्चित करने का केंद्र है। कार्यालय में लापरवाही सीधे तौर पर आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान को प्रभावित करती है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने नगर आयुक्त को निर्देश दिए कि दो दिनों में अनुपस्थित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण लिया जाए और आवश्यक कार्रवाई की जाए। साथ ही, उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की शिकायत मुख्यमंत्री से भी की जाएगी।महापौर ने जनता से अपील की है कि यदि सुबह 10 बजे तक नगर निगम कार्यालय में अधिकारी या कर्मचारी अपने कर्तव्यों का पालन करते नहीं मिलें तो तुरंत 638920005 पर शिकायत करें। इसके अतिरिक्त, शिकायत सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर भी टैग करके भेजी जा सकती है।महापौर ने भविष्य में और कड़े कदम उठाने के संकेत देते हुए कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना प्राथमिकता है।

लखनऊ में बंद घरों में चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन शातिर गिरफ्तार, जेवरात और नगदी बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के जोन पूर्वी के थाना चिनहट पुलिस ने टोपी और मास्क पहनकर दिन में बंद घरों की रेकी कर रात में चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के कीमती जेवरात, मोबाइल फोन तथा नगदी बरामद की गई है।थाना चिनहट पुलिस टीम ने चेकिंग, संदिग्ध व्यक्ति व वाहन की तलाश तथा अपराधियों की धरपकड़ के दौरान रेलवे लाइन किनारे मल्हौर के पास से गिरोह के मुख्य सदस्य अमित कुमार रस्तोगी (38), अभिनंदन यादव (24) और नरसिंह गौतम (22) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके पास से चोरी का माल बरामद किया है जिसमें चार पीली धातु के कंगन, एक गले का लाकेट, दो जोड़ी कान की झुमकी, चार अंगूठी, दो नाक की कील, कुल 49 ग्राम पीली धातु, आठ जोड़ी पायल, दो अंगूठी, चार पैण्डल कुल 410 ग्राम सफेद धातु, तीन मोबाइल और 4300 रुपये नगद शामिल हैं।जांच में सामने आया कि गिरोह का सरगना अमित कुमार रस्तोगी है, जो लखनऊ के विभिन्न इलाकों में बंद मकानों की दिन में रेकी करता था। पहचान छिपाने के लिए टोपी और मास्क पहनकर मौका मिलते ही गैंग बनाकर रात में ताला तोड़कर घरों में घुसकर कीमती सामान चोरी कर लेता था। चोरी की रकम को आपस में बांटकर भौतिक सुख और दुनियावी लाभ प्राप्त करने के लिए अपराध करता था।थाना चिनहट में दर्ज दो मामलों में आरोपियों की संलिप्तता सामने आई है। पहला मामला 11 अगस्त 2025 का है जिसमें अभिषेक राय के घर से कीमती जेवरात और नगदी चोरी की गई थी। दूसरा मामला 4 सितंबर 2025 का है जिसमें सूर्यपाल कश्यप के घर चोरी की गई थी। इन मामलों में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज था, जिसकी जांच के दौरान गिरोह का खुलासा हुआ।गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया। पुलिस टीम ने बताया कि इन आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी काफी लंबा है। अमित कुमार रस्तोगी के खिलाफ लखनऊ के विभिन्न थानों में कई मामलों में चोरी, धोखाधड़ी और गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज हैं। वहीं, नरसिंह गौतम पर भी दो मामले दर्ज हैं और अन्य मामलों की जांच जारी है।इस ऑपरेशन को सफल बनाने में प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह, उपनिरीक्षक सुमित कुमार, विवेकानंद, मुलायम यादव, उपनिरीक्षक कपिल कुमार, मोहित कुमार, हेड कांस्टेबल आलोक गौतम तथा कांस्टेबल अभिमन्यू चौधरी, विनय शुक्ला, प्रदीप तिवारी सहित पूरी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इरफ़ान अब्बासी अखिल भारतीय रेल सुरक्षा परिषद सलाहकार समिति के सदस्य बने

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। अखिल भारतीय रेल सुरक्षा परिषद (AIRSC) ने लखनऊ के इरफान अब्बासी को अपनी सलाहकार समिति का सदस्य नियुक्त किया है। इरफान अब्बासी गोसाईंगंज क्षेत्र के नगर पंचायत अमेठी के 32/9 अब्बासी वार्ड के निवासी हैं।

परिषद के अध्यक्ष डॉ. आर. पद्मनाभन ने इस नियुक्ति पर कहा कि रेल मिलिंग तकनीक और रेलवे सुरक्षा क्षेत्र में इरफान अब्बासी का अनुभव परिषद के मिशन को नई दिशा प्रदान करेगा।

परिषद ने यह भी घोषणा की है कि इरफान अब्बासी की प्रोफाइल और तस्वीर परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी।

उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश में अव्वल, 10,000 मेगावाट क्षमता की ओर बढ़ रहा प्रदेश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश में अग्रणी स्थान हासिल कर रहा है। ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि जुलाई 2025 तक प्रदेश में 27,771 रूफटॉप स्टालेशन स्थापित किए गए हैं, जिसके साथ उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। प्रदेश की सौर ऊर्जा विद्युत उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करते हुए वर्ष 2025 में 5,157 मेगावाट की क्षमता बढ़ाई गई है और शीघ्र ही यह क्षमता 10,000 मेगावाट तक पहुँच जाएगी। जबकि वर्ष 2017 तक यह क्षमता मात्र 389 मेगावाट थी।यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2022 में लागू सौर ऊर्जा नीति का परिणाम है। प्रदेश ने समय रहते सौर ऊर्जा नीति व जैव ऊर्जा नीति को लागू कर हरित ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने राजधानी लखनऊ के सेट्रम होटल में पर्यावरण पर आधारित "नेट जीरो समिट" में कहा कि प्रदेश में सोलर ऊर्जा की असीम संभावनाएँ हैं। उन्होंने बताया कि छतों, कम उपयोगी भूमि, राजमार्गों के किनारे सोलर प्लांट लगाकर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी तथा बैंकों द्वारा ऋण सुविधा भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि सोलर ऊर्जा अपनाकर न केवल ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया जा सकता है, बल्कि आर्थिक लाभ भी अर्जित किया जा सकता है।श्री शर्मा ने यह भी बताया कि अयोध्या प्रदेश की पहली सोलर सिटी के रूप में विकसित की जा रही है, जहाँ स्ट्रीट लाइट, हाउस सर्किट और मोटर बोट सोलर ऊर्जा से संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हरित ऊर्जा का विकास समय की आवश्यकता है और प्रदेश योजनाबद्ध तरीके से इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। साथ ही प्रति व्यक्ति ऊर्जा उपभोग दर को बढ़ाने के लिए थर्मल पावर उत्पादन में भी वृद्धि की जा रही है।मंत्री ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में पनकी, ओबरा, जवाहरपुर, घाटमपुर और खुर्जा में लगभग 4,700 मेगावाट की थर्मल पावर परियोजनाएँ शुरू हो चुकी हैं और 6,000 मेगावाट की परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं। वर्तमान में प्रदेश की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता लगभग 21,000 मेगावाट है, जो 2017 की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई है। इसमें थर्मल, सोलर और हाइड्रोपावर शामिल हैं।उन्होंने कहा कि भविष्य में ग्रीन एनर्जी एमएसएमई सेक्टर की आवश्यकता बन सकती है, इसलिए सरकार पर्यावरण संरक्षण के साथ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। सौर, हाइड्रो, थर्मल और बायोपावर का उत्पादन बढ़ाकर ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।इसके साथ ही उन्होंने विद्युत वितरण में भी हुई प्रगति पर प्रकाश डाला। प्रदेश की विद्युत इकाइयों का पीएलएफ दर 60 प्रतिशत से बढ़कर 80 प्रतिशत हो गया है और लाइनलॉस को 50 प्रतिशत तक कम किया गया है। इससे उत्तर प्रदेश विद्युत उत्पादन, ट्रांसमिशन और वितरण व्यवस्था में देश में अग्रणी बन गया है।यह बैठक प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने, पर्यावरण संरक्षण और हरित ऊर्जा के विकास के लिए महत्वपूर्ण दिशा तय करने का प्रयास रही। प्रदेश सरकार ने सोलर और अन्य वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ रोजगार और आर्थिक विकास के नए अवसर उपलब्ध कराए हैं।

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत काकोरी पुलिस और अभियोजन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत थाना काकोरी पुलिस और अभियोजन विभाग के संयुक्त प्रयास से हत्या के गंभीर मामले में दोषी पाए गए अभियुक्त को आजीवन कारावास तथा अर्थदंड से दंडित कराया गया। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत अपराधियों पर नियंत्रण और उन्हें न्यायालय में सजा दिलाने के उद्देश्य से सघन पैरवी की गई। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय, पुलिस उपायुक्त अपराध व पश्चिमी, अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिमी, सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी तथा थाना काकोरी की टीम ने प्रभावी प्रयासों के जरिए यह उपलब्धि हासिल की।प्रभारी निरीक्षक सतीश राठौर के नेतृत्व में थाना काकोरी की टीम और पैरोकार संजय सिंह ने माननीय विशेष न्यायालय पी.सी. 09, लखनऊ में मामले की मजबूती से पैरवी की। निर्णायक सुनवाई दिनांक 08 सितंबर 2025 को हुई, जिसमें अभियुक्त श्रीकांत त्रिवेदी पुत्र रामकिशोर निवासी मल्हपुर थाना बेनीगंज जनपद हरदोई को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी करार दिया गया। न्यायालय ने उसे आजीवन कारावास तथा 10,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड न अदा करने की स्थिति में अभियुक्त को अतिरिक्त एक वर्ष का कारावास भुगतना होगा।इस मामले में अभियुक्त को धारा 498ए/304बी भादवि व दहेज प्रतिषेध अधिनियम से दोषमुक्त किया गया जबकि हत्या के अपराध में दोषसिद्ध कर सजा दी गई। यह मामला वर्ष 2006 में दर्ज हुआ था और वाद संख्या 139/2007 के अंतर्गत सुनवाई हुई। पुलिस टीम के अथक प्रयास और न्यायालय में प्रभावी पैरवी के चलते पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने में सफलता मिली।काकोरी थाना की इस उपलब्धि से पुलिस की सख्ती और न्याय सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता उजागर हुई है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत भविष्य में भी गंभीर अपराधों में दोषियों को सजा दिलाने के लिए इसी तरह प्रयास जारी रहेंगे।बैठक में प्रभारी निरीक्षक सतीश राठौर तथा पैरोकार संजय सिंह की भूमिका सराहनीय रही। पुलिस विभाग ने इसे न्याय व्यवस्था में विश्वास बढ़ाने और अपराध नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

संविधान की ताकत का नया अहसास

नेपाल में सोमवार से शुरु हुए युवाओं के आंदोलन से सत्ता तो उखड़ ही गई है, समूची व्यवस्था भी तहस-नहस हो चुकी है। सेना ने कमान संभाल कर कर्फ्यू लगाया है, काठमांडू की सड़कों पर एक अजीब सा सन्नाटा कायम हुआ है, लेकिन इस सन्नाटे के उस पार क्या होगा, यह केवल उन्हीं लोगों को पता होगा, जिनकी शह पर पूरा आंदोलन खड़ा हुआ है। फिलहाल प्रधानमंत्री और कम से कम 10 मंत्रियों के इस्तीफे तो हो ही चुके हैं, कुछ गिने-चुने प्रतिनिधि बचे हैं, जिन पर इस्तीफे का दबाव है। सरकार के अलावा मीडिया, कारोबार इन सब पर भी आंदोलनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। मंगलवार को संसद भवन, राष्ट्रपति का घर, प्रधानमंत्री का घर समेत कई सरकारी संस्थानों पर आंदोलनकारियों ने आग लगा दी। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को भीड़ ने पीटा, पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनाल के घर में आग लगा दी। इसमें उनकी पत्नी राजलक्ष्मी चित्रकार की मौत हो गई। नेपाल के सबसे बड़े मीडिया संस्थान कांतिपुर के दफ्तर को जलाया, हिल्टन होटल को जला दिया, जेल तोड़ी, जिसमें कई कैदी भाग गए। कई दुकानों में तोड़-फोड़ की और फ्रिज, एसी जैसे कीमती सामानों की लूट हुई। इतने उपद्रव के बाद सेना ने अपने हाथ में कमान ली है, तो फिलहाल तोड़-फोड़, लूटमार रुकी है। लेकिन आंदोलन अब भी खत्म नहीं हुआ है। क्योंकि प्रदर्शनकारी संविधान बदलने और नयी सरकार के गठन की मांग कर रहे हैं।

नेपाल बिल्कुल पड़ोस में है, तो वहां के हालात देश पर असर डालेंगे, ऐसी आशंका बनी हुई है। सोशल मीडिया पर हमेशा की तरह किसी भी घटना पर त्वरित फैसले सुनाने वाले अंदाज में लोग टिप्पणियां कर रहे हैं। अपने-अपने राजनैतिक रुझान के मुताबिक कोई चेतावनी दे रहा है कि सरकार समझ जाए कि आम आदमी का गुस्सा जब फूटता है, तो कैसे उसके सब्र का बांध टूटता है, कोई सरकार की तारीफ कर रहा है कि हमारे पड़ोसी देशों में इतना कुछ हो रहा है, लेकिन हमारे यहां हालात संभले हुए हैं। बात सही है कि भारत में हज़ार तरह की तकलीफें और सौ तरह की नाराजगियों के बावजूद ऐसी अराजकता के हालात नहीं बने हैं। लेकिन 2011-12 के दौर को याद करें, जब तत्कालीन सरकार के खिलाफ ऐसी ही नाराजगी की चिंगारी को भड़काने की पूरी कोशिशें हुई थीं। इंडिया अंगेस्ट करप्शन के बैनर तले लोकपाल की मांग पर जो अन्ना आंदोलन खड़ा हुआ था, वह देश को अराजकता की तरफ ही उकसा रहा था। कभी रामदेव, कभी रविशंकर, कभी जग्गी वासुदेव जैसे आध्यात्म का कारोबार करने वाले लोग इस आंदोलन में अपने पूरक अध्याय जोड़ रहे थे। राष्ट्रपति भवन के सामने प्रदर्शन, इंडिया गेट पर प्रदर्शन, रामलीला मैदान में जलसे की तरह चलाया जा रहा आंदोलन सब सरकार को उकसा रहे थे कि वह कोई सख्त कार्रवाई करे और फिर सारी व्यवस्था को हाथ में लेने का मौका आंदोलनकारियों को मिले। लेकिन तत्कालीन यूपीए सरकार ने संयम दिखाया। बार-बार अनशन पर बैठे लोगों के बीच आकर वार्ताओं के दौर चलाए, ताकि जनता को समझ आ सके, कि जो भी फैसला होगा संविधान के दायरे में रहकर होगा। जो बात संविधान सम्मत नहीं होगी, उसे नहीं माना जाएगा, फिर चाहे सत्ता ही क्यों न चली जाए। भारतीय भोजन

ऐसा ही हुआ भी। अन्ना हजारे के आंदोलन को मीडिया ने भरपूर कवरेज दिया, क्योंकि उसे भी सत्ता में परिवर्तन चाहिए था। किरण बेदी जैसे पूर्व पुलिस अधिकारी हाथ में तिरंगा लेकर अन्ना हजारे के मंच से ऐसे लहराते थे, मानो तिरंगे पर निर्वाचित सरकार का कोई हक है ही नहीं। बहरहाल, आंदोलन खत्म हुआ, इंडिया अंगेस्ट करप्शन कहां गया पता नहीं, लोकपाल का कानून बना, लेकिन भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ, अन्ना हजारे अपने गांव पहुंच गए और अरविंद केजरीवाल सत्ता में आ गए। किरण बेदी की राजनैतिक महत्वाकांक्षाएं भी पूरी हुईं, कुमार विश्वास अब सेलिब्रिटी कवि, कथावाचक और राजनैतिक विश्लेषक बन चुके हैं, उनकी बेटी की तीज हो तो पूर्व केन्द्रीय मंत्री पधारती हैं। कहने का आशय यह कि हरेक को अपने-अपने हिस्से का लाभ मिल गया। भाजपा को तो खैर पूरी की पूरी सत्ता ही मिल गई। इस तरह अन्ना आंदोलन की कीमत यूपीए सरकार ने अपनी सत्ता खोकर चुका दी। जिन लोगों को सत्ता मिली है, उनका संविधान में अब कितना यकीन है या नहीं है, यह अलग सवाल है। लेकिन उस समय देश में जिस किस्म की अराजकता फैलाकर सत्तापलट की कोशिशें हुई थीं, कम से कम उनसे देश बच गया, क्योंकि केंद्र में कांग्रेस थी।

अब केंद्र में भाजपा है, तो फिर से सरकार से नाराजगी के सवाल उठ रहे हैं। लेकिन यहां भी संविधान ही देश को बचाते हुए दिख रहा है। इस बात पर अब भारत के मुख्य न्यायाधीश की मुहर भी लगी है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों की संविधान पीठ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा विधेयकों पर स्वीकृति देने की शक्ति से संबंधित 14 प्रश्नों पर सुनवाई कर रही है। इसी दौरान मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने पड़ोसी मुल्कों के हालात का जिक्र किया और कहा कि हमें अपने संविधान पर गर्व है। देखिए कि हमारे पड़ोसी देशों में क्या हो रहा है। नेपाल में भी हम यही देख रहे हैं। चीफ जस्टिस गवई की इस टिप्पणी पर पांच जजों की संविधान पीठ के एक जज जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा-हां, बांग्लादेश में भी। माननीय न्यायाधीशों की इस टिप्पणी से देश को बनाने और संवारने में संविधान की भूमिका एक बार फिर रेखांकित हुई है।

नेक्स्टजेन जीएसटी सुधार केवल कर सुधार नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माण को तेज रफ्तार देने का परिचायक

कमलेश पांडे

आपको पता है कि किसान वर्ग जो भारत की रीढ़ समझे जाते हैं, सुधारों के केंद्र में हैं। उनके फायदे के लिए ही ट्रैक्टर, सिंचाई प्रणालियों, खाद और कीटनाशकों पर जीएसटी को घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे खेती की लागत घटेगी और ग्रामीण समृद्धि बढ़ेगी।

मौजूदा नेक्स्टजेन जीएसटी सुधार केवल कर सुधार नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माण को तेज रफ्तार देने का परिचायक है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थ भारत के सपनों को पंख लगाने वाला वह निर्णायक उपाय है जिसका सकारात्मक असर बहुत जल्द ही देश-दुनिया पर दिखाई पड़ेगा। बता दें कि 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक, जो गत 3 सितम्बर 2025 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित हुई, ने नेक्स्टजेन जीएसटी सुधारों की घोषणा की। जिसके दृष्टिगत यह कहा जा सकता है कि यह भाजपा सरकार का एक साहसिक, ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम है, जिसने भारत की आधुनिक आर्थिक क्रांति के निर्माता के रूप में अपनी पहचान को और मजबूत किया है।

Story continues below this ad

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक लाल किले के संबोधन में घोषित और आगामी 22 सितम्बर 2025 अर्थात नवरात्रि के पहले दिन से लागू होने वाले ये सुधार वास्तव में 140 करोड़ भारतीयों के लिए राहत और समृद्धि का पर्व हैं। ऐसा इसलिए कि भाजपा नीत एनडीए के नेतृत्व वाली मोदी सरकार ने पुराने जटिल कर ढांचे को सरल बनाकर नागरिकों के अनुकूल 2-स्लैब संरचना में बदल दिया है। इसके तहत आवश्यक वस्तुओं पर 5 प्रतिशत और सामान्य वस्तुओं और सेवाओं पर 18 प्रतिशत और केवल विलासिता एवं हानिकारक वस्तुओं पर 40 प्रतिशत टैक्स लगाया गया है। इस प्रकार से यह वर्ष 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा कर सुधार है।

ऐसा होने से दैनिक आवश्यक वस्तुएँ, जैसे-दूध, चावल, आटा, चाय, दही, किताबें और भारतीय रोटियाँ अब या तो कर-मुक्त हैं या सिर्फ 5 प्रतिशत पर कर लग रहा है। यह पीएम मोदी जी की गरीब और मध्यम वर्ग के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है ताकि कोई भी भारतीय परिवार अपनी रोज़मर्रा की जरूरतों से बोझिल न हो। यह भाजपा सरकार की 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की प्रतिबद्धता का दोहराव भी है। खास बात यह है कि अब स्वास्थ्य सेवाएँ भी सुलभ हुईं हैं। क्योंकि सभी स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसियाँ कर-मुक्त कर दी गई हैं और जीवनरक्षक दवाओं पर भी जीएसटी शून्य कर दिया गया है। इस प्रकार भाजपा नीत एनडीए सरकार ने आम आदमी के दुःख-दर्द के प्रति अपनी जो गहरी संवेदनशीलता दिखाई है और संकट की घड़ी में गरिमा और राहत सुनिश्चित की है, वह सराहनीय है। लगता है कि सरकार पर आरएसएस का बौद्धिक दबाव काम कर गया है।

आपको पता है कि किसान वर्ग जो भारत की रीढ़ समझे जाते हैं, सुधारों के केंद्र में हैं। उनके फायदे के लिए ही ट्रैक्टर, सिंचाई प्रणालियों, खाद और कीटनाशकों पर जीएसटी को घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे खेती की लागत घटेगी और ग्रामीण समृद्धि बढ़ेगी। इससे स्पष्ट हो गया है कि यह लोकहितैषी सरकार वास्तव में किसानों के साथ खड़ी है। वहीं, गृहिणियों और परिवारों को भी इस जीएसटी सुधार से सीधा लाभ मिला है। क्योंकि साबुन, शैंपू, टूथपेस्ट, साइकिल, रेफ्रिजरेटर, टीवी और वॉशिंग मशीन जैसी घरेलू वस्तुएँ अब सस्ती होंगी। इस प्रकार भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने यह कर दिखाया है कि वह हर भारतीय परिवार के सरल जीवन यापन (इज ऑफ लिविंग) की परवाह करती है और टैरिफ के मामले में अमेरिकी झटका लगने के बावजूद वह जनकल्याण को समर्पित है। यह आम भारतीयों के लिए सौभाग्य की बात है। आरएसएस-भाजपा जैसे जमीनी संगठनों से ऐसे ही सकारात्मक बदलाव की उम्मीद साल 2014 से ही की जा रही थी, जो अब जाकर पूरी हुई है। इस जीएसटी सुधार से युवा आकांक्षाओं की पूर्ति होने में भी मदद मिली है, क्योंकि छोटी कारों और मोटरसाइकिलों पर जीएसटी में कटौती से वे पहली बार खरीदारों के लिए सस्ती होंगी। वहीं, इनकी बढ़ती मांग से रोजगार भी पैदा होंगे, जो मोदी जी की युवा सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वहीं, हालिया बदलाव से तेज रफ्तार अवसंरचना विकास को भी बल मिलेगा, क्योंकि सीमेंट पर कर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे आमलोगों के घरों की लागत कम होगी और खास लोगों को भी अतिरिक्त बचत का मौका मिलेगा। इससे निकट भविष्य में अवसंरचनात्मक परियोजनाओं की गति बढ़ेगी, जिससे लाखों रोजगार सृजित होंगे। बतातें चलें कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अवसंरचनात्मक विकास सिर्फ नीति नहीं बल्कि राष्ट्र-निर्माण का मजबूत मिशन भी है।

अर्थशास्त्रियों की राय है कि मौजूदा अभूतपूर्व जीएसटी बदलाव से एमएसएमई रोजगार की रीढ़ समझे जाने वाले छोटे छोटे व्यवसायों को भी काफी लाभ मिलेगा। इससे उनको आशातीत विकास का अवसर मिला है। वहीं, जीएसटी के सरल अनुपालन, एआई आधारित निगरानी और तेज़ रिफंड से कांग्रेस के लंबे उपेक्षा काल के बाद, भाजपा सरकार ने इन्हें नवाचार, विस्तार और मजबूती दी है, जो सराहनीय पहल बताई जा रही है।

कहना न होगा कि ये सभी सुधार सीधे तौर पर भाजपा की आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी प्रमुख योजनाओं का पूरक समझी जाती हैं। इसलिए लागत घटाकर और लालफीताशाही कम करके पीएम मोदी जी ने दिखाया है कि सुधार सिर्फ नारे से नहीं बल्कि वास्तविक कार्रवाई की वजह से आती हैं।

मौजूदा जीएसटी सुधार से कपड़ा और उर्वरक उद्योग, जो लंबे समय से उल्टे कर ढांचे से जूझ रहे थे, को भी लाभ मिलेगा, क्योंकि अब उन्हें भी जीएसटी दरों के युक्तिकरण से सीधा लाभ मिलेगा। इस प्रकार यह न सिर्फ उद्योग को बढ़ावा देता है बल्कि भाजपा की निर्णायक और उत्तरदायी शासनशैली को भी दर्शाता है। सरकार की इस पहल से मध्यम वर्ग का भी सशक्तिकरण होगा। ऐसा इसलिए कि कांग्रेस, जिसने मध्यम वर्ग को टैक्स मशीन की तरह इस्तेमाल किया, उसके विपरीत भाजपा नीत एनडीए सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उन्हें बेमिसाल राहत दी है, क्योंकि अब आवश्यक वस्तुएँ कर-मुक्त हैं और आकांक्षी वस्तुएँ सस्ती। इससे कारोबार में भी इजाफा होगा। वहीं, जीएसटी सरलीकरण से भारत की लॉजिस्टिक लागत कम हुई है, जिससे भारतीय वस्तुएँ वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनी हैं। एक बार फिर, भाजपा के जीएसटी सुधारों ने भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने की दृष्टि को साबित किया है।

महत्वपूर्ण बात यह कि जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (GSTAT) दिसंबर 2025 तक शुरू किया जाएगा। इसके लिए भाजपा सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि वर्षों से झेली जा रही परेशानियों का अंत हो और व्यवसायों को न्याय, पारदर्शिता और तेज़ समाधान मिले। जहां तक महिला उद्यमियों के सशक्तिकरण का सवाल है तो सरल जीएसटी और आसान क्रेडिट पहुँच से महिला नेतृत्व वाले एमएसएमई को विस्तार, रोजगार और नवाचार का अवसर मिलेगा। यह प्रधानमंत्री मोदी जी की 'नारी शक्ति भारत की प्रगति की चालक है' वाली सोच से जुड़ा है। जहां तक इस सामूहिक सरकारी फैसले के सामूहिक आर्थिक प्रभाव का सवाल है तो नेक्स्टजेन जीएसटी सुधारों से जीडीपी में 1-1.2 प्रतिशत की वृद्धि और महंगाई में 1 प्रतिशत से अधिक की कमी का अनुमान है। यह भाजपा सरकार की विकास और स्थिरता के संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

अजब-गजब

ये इंसान है या जानवर! बेबी ऑक्टोपस को जिंदा ही चबा गया, वीडियो देख भड़के लोग

चिकन, मटन, मछली या अंडा खाना तो आम बात है, लेकिन कुछ जगहों पर तो लोग बिना सोचे समझे कीड़े-मकौड़ों को भी खा जाते हैं। इतना ही नहीं, जिनके बारे में हम सोच भी नहीं सकते, लोग उन जीवों को भी बड़े आराम से खा जाते हैं और सबसे हैरानी की बात तो ये है कि उन जीवों को लोग जिंदा ही खा जाते हैं। उन्हीं जीवों में से एक है ऑक्टोपस। दुनिया में कई ऐसे देश हैं, जहां के लोग ऑक्टोपस भी खा जाते हैं और वो भी जिंदा। सोशल मीडिया पर भी ऐसा ही एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स जिंदा ऑक्टोपस खाता नजर आता है। हालांकि ये नजारा देखकर लोग भड़क गए हैं।

वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक शख्स हाथ में घोंघा लिए हुए है और उसके अंदर बोतल से कुछ लिक्विड जैसा डालता है, जिससे उसके अंदर मौजूद ऑक्टोपस बाहर निकलने लगता है, लेकिन जैसे ही ऑक्टोपस अपना सिर बाहर निकलता है, वो शख्स झट से उसे खा जाता है। इस दौरान ऑक्टोपस छटपटाता रहता है, लेकिन शख्स को जरा भी दया नहीं आती। वो उस बेबी ऑक्टोपस को जिंदा ही चबा-चबाकर खा जाता है। इसके बाद वो घोंघे के अंदर फिर से वहीं लिक्विड डालता है। शायद अंदर एक और नन्हा ऑक्टोपस मौजूद था, जिसे निकाल कर वो खाना चाहता था। ये नजारा देखकर न सिर्फ लोग सकते में हैं बल्कि गुस्से में भी हैं।

इस हैरान कर देने वाले वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर @Am_Blujay नाम की आईडी से शेयर किया गया है। एक मिनट के इस वीडियो को अब तक 12 मिलियन यानी 1।2 करोड़ से भी अधिक बार देखा जा चुका है, जबकि 50 हजार से अधिक लोगों ने वीडियो को लाइक भी किया है।

ब्लॉग

विपक्ष की नकारात्मक राजनीति और राष्ट्र-विरोधी विमर्श पर राष्ट्रवाद की जीत ने कई संदेश दिये

नीरज कुमार दुबे

उपराष्ट्रपति चुनाव के परिणाम ने भारतीय राजनीति में कई नये संकेत दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन ने विपक्षी खेमे के साझा प्रत्याशी और पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को मात देकर देश के 15वें उपराष्ट्रपति पद पर विजय हासिल की। यह विजय कई मायनों में खास है क्योंकि 452 बनाम 300 वोट का अंतर केवल एक चुनावी आँकड़ा नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की नयी दिशा की ओर इशारा करता है।

विपक्ष ने दावा किया था कि उसके सभी 315 सांसद मतदान में उपस्थित रहे और पूरा खेमे ने एकजुटता दिखायी। लेकिन नतीजे में विपक्ष 15 वोट पीछे रह गया और उतने ही वोट अमान्य घोषित हुए। इसका सीधा अर्थ यह है कि विपक्षी खेमे में या तो क्रॉस वोटिंग हुई या जानबूझकर अमान्य मत डाले गये। यही घटना विपक्षी गठबंधन की एकता पर गहरे सवाल खड़े करती है। दरअसल, इस परिणाम ने विपक्षी दलों की आंतरिक असहमति और पारस्परिक अविश्वास को उजागर कर दिया है।

उधर, राधाकृष्णन ने अपनी जीत को "राष्ट्रवादियों की जीत" बताया है। इसका सकारात्मक अर्थ यह है कि एनडीए की राजनीति केवल चुनावी अंकगणित तक सीमित नहीं है, बल्कि वह राष्ट्रवादी विचारधारा को जनता और सांसदों के बीच एक व्यापक स्वीकृति दिलाने में सफल रहा है। देखा जाये तो हाल के वर्षों में विपक्ष ने अपनी राजनीति का केन्द्र सत्ता विरोध तक सीमित कर दिया है। स्वस्थ लोकतांत्रिक विमर्श की जगह आरोप-प्रत्यारोप, नकारात्मक प्रचार और देश की संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करने की परंपरा बनती जा रही है। संसद से लेकर न्यायपालिका और चुनाव आयोग तक, विपक्ष की ओर से लगातार यह प्रयास देखा गया है कि जनता के मन में इन संस्थानों के प्रति अविश्वास पैदा किया जाए। यही कारण है कि उपराष्ट्रपति चुनाव केवल एक पद के लिए मतदान नहीं था, बल्कि यह उस नकारात्मक राजनीति और राष्ट्र-विरोधी विमर्श के खिलाफ एक जनादेश की तरह सामने आया।

सी.पी. राधाकृष्णन की ऐतिहासिक जीत ने स्पष्ट कर दिया है कि देश की राजनीति में राष्ट्रवाद की विचारधारा ही जनता के विश्वास की धुरी है। विपक्ष भले ही इसे "संख्या का खेल" बताने का प्रयास करे, लेकिन तथ्य यह है कि क्रॉस वोटिंग और विपक्षी खेमे में बिखराव ने उनकी एकता की पोल खोल दी। यह संदेश दूर तक गया है कि जब बात राष्ट्रहित और स्थिरता की आती है तो विपक्षी दलों के भीतर भी कई लोग एनडीए के साथ खड़े होना पसंद करते हैं।

यह जीत विपक्ष द्वारा रची जा रही उस नकारात्मक छवि को भी ध्वस्त करती है जिसमें संवैधानिक पदों को मात्र राजनीतिक उपकरण के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा था। राधाकृष्णन ने इसे राष्ट्रवाद की जीत कहा है और इसमें गहरा संदेश छिपा है। दरअसल, यह जीत उन लोगों के लिए आश्वस्ति है जो मानते हैं कि लोकतंत्र में विरोध ज़रूरी है लेकिन विरोध की आड़ में देश की संस्थाओं को कमजोर करना आत्मघाती है। देखा जाये तो उपराष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रवादियों की जीत विपक्ष की नकारात्मक राजनीति पर करारा जवाब है।

इसके अलावा, उपराष्ट्रपति पद पर सीपी राधाकृष्णन की जीत का गहरा असर तमिलनाडु की राजनीति पर भी पड़ने वाला है। तमिलनाडु लंबे समय से द्रविड़ राजनीति का गढ़ रहा है, जहां भाजपा अब तक सीमित प्रभाव ही बना पाई है। लेकिन राधाकृष्णन जैसे वरिष्ठ और लोकप्रिय नेता का इस संवैधानिक पद तक पहुँचना भाजपा और एनडीए के लिए एक मनोबलवर्धक उपलब्धि है। सबसे पहले, यह जीत भाजपा को तमिलनाडु में राजनीतिक स्वीकार्यता दिलाती है। अब भाजपा केवल "बाहरी ताकत" नहीं, बल्कि तमिलनाडु से जुड़ा चेहरा रखने वाली राष्ट्रीय पार्टी के रूप में उभरेगी। राधाकृष्णन की साफ-सुथरी छवि और जमीनी पकड़ भाजपा को उन मतदाताओं के बीच पहुँचाने में मदद करेगी जो अब तक द्रविड़ पार्टियों के बीच उलझे रहे। जब तमिलनाडु के मतदाता देखेंगे कि उनके ही राज्य से आया एक नेता राष्ट्रीय राजनीति में इतना बड़ा पद हासिल कर रहा है, तो उन्हें भाजपा की प्रासंगिकता का अहसास होगा। यह विजय यह भी संदेश देती है कि भाजपा केवल उत्तर भारत की पार्टी नहीं है। दक्षिण भारत में भी भाजपा का राजनीतिक विस्तार संभव है। राधाकृष्णन की जीत से एनडीए को स्थानीय सहयोगी दलों के साथ तालमेल मजबूत करने में मदद मिलेगी और आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर बढ़ाने का आधार बनेगा।

देखा जाये तो तमिलनाडु में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती डीएमके और एआईएडीएमके जैसी स्थापित द्रविड़ पार्टियां रही हैं। लेकिन उपराष्ट्रपति चुनाव ने दिखा दिया कि भाजपा अब "किनारे की खिलाड़ी" नहीं रही, बल्कि उसकी जड़ें मजबूत हो रही हैं। यह जीत भाजपा-एनडीए कार्यकर्ताओं को जोश से भर देगी और जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि अगर राष्ट्रीय स्तर पर तमिलनाडु का नेता इतना बड़ा पद हासिल कर सकता है तो राज्य की राजनीति में भी भाजपा का भविष्य सुरक्षित है। राधाकृष्णन की जीत भाजपा और एनडीए के लिए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों का मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक पूंजी बनकर सामने आएगी, जो दक्षिण में पार्टी के विस्तार की दिशा में निर्णायक कदम साबित हो सकती है।

इसके अलावा, इस चुनाव में क्षेत्रीय दलों का रुख भी महत्वपूर्ण रहा। आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने एनडीए उम्मीदवार का समर्थन किया, ओडिशा की बीजेडी और तेलंगाना की बीआरएस ने मतदान से अनुपस्थित रहकर अप्रत्यक्ष रूप से एनडीए की मदद की। यह स्थिति साफ़ दिखाती है कि राष्ट्रीय राजनीति में एनडीए की पकड़ मज़बूत हो रही है और कई क्षेत्रीय दल अवसरवादी राजनीति की बजाय केंद्र की स्थिरता और शक्ति संतुलन के साथ खड़े होने का संकेत दे रहे हैं। यह संदेश विपक्षी खेमे के लिए और भी चुनौतीपूर्ण है।

यही नहीं, उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए की इस बड़ी जीत के राजनीतिक निहितार्थ बिहार तक भी पहुँचते हैं, जहाँ निकट भविष्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। एनडीए की यह जीत विपक्षी गठबंधन की कमजोरियों को उजागर करती है और बिहार में भाजपा-जदयू की साख को और मज़बूत करती है। यह परिणाम बताता है कि केंद्र से लेकर राज्य तक एनडीए अपनी पकड़ बनाये हुए है और विपक्षी दलों का 'एकजुट मोर्चा' केवल घोषणाओं तक ही सीमित है।

बहरहाल, सी.पी. राधाकृष्णन की जीत केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं है, बल्कि यह भारतीय राजनीति में एनडीए की बढ़ती धमक, विपक्षी खेमे में बिखराव और राष्ट्रवादी विचारधारा की स्वीकृति का प्रतीक है। दक्षिण में भाजपा के लिए नए अवसर खुल रहे हैं, क्षेत्रीय दल एनडीए के प्रति झुकाव दिखा रहे हैं और विपक्षी एकता का दावा खोखला साबित हुआ है। यह सब मिलकर राष्ट्रीय राजनीति में एनडीए को एक और मज़बूत स्थिति में खड़ा कर देता है।

अजय राय समेत कांग्रेस के 100 से ज्यादा नेता हाउस अरेस्ट, वोट चोरी को लेकर विरोध प्रदर्शन का था प्लान

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को वाराणसी का दौरा करेंगे। पीएम के इस दौरे के चलते सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वाराणसी में आज भारत और मॉरीशस के बीच ऐतिहासिक द्विपक्षीय वार्ता होटल ताज में होनी है। इसी बीच पीएम मोदी के कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन की संभावना के चलते पुलिस ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय को गुरुवार को हाउस अरेस्ट किया है। पीएम के दौरे के दौरान वोट चोरी को लेकर प्रदर्शन की संभावना के बीच अजय राय समेत कांग्रेस के 100 से ज्यादा नेताओं को हाउस अरेस्ट किया गया है।

अजय राय ने हाउस अरेस्ट किए जाने की एक वीडियो सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट की। उन्होंने साथ ही पोस्ट में लिखा, पुलिस भेजकर हमें रोकना, कार्यकर्ताओं की

आवाज दबाना — ये लड़ाई को रोक नहीं पाएगा, ये वोट चोरों को बचा नहीं पाएगा। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस का हर बब्बर शेर कार्यकर्ता गली-गली, गांव-गांव से विरोध करेगा और आवाज देगा — मोदी, वोट चोरी बंद करो!

अजय राय समेत कई नेता हाउस अरेस्ट

कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने बताया कि कांग्रेस के कई नेता हाउस अरेस्ट कर लिए गए हैं। साथ ही कई नेताओं के घर के बाहर पुलिस पहुंची है। हमारे नेता अजय राय को लखनऊ में हाउस अरेस्ट किया गया है। उन्होंने आगे कहा, लेकिन, हम पीएम के विरोध करने के फैसले पर अडिग हैं। भले ही पांच लोग ही विरोध करेंगे लेकिन करेंगे।

पीएम मोदी के दौरे के चलते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को पुलिस ने हाउस अरेस्ट किया है। पीजीआई थाना पुलिस ने आलमबाग स्थित उनके आवास पर निगरानी बनाई है। दरअसल, पीएम मोदी गुरुवार को वाराणसी का दौरा, मॉरिशस के पीएम संग अहम द्विपक्षीय वार्ता होगी।

अजय राय ने किया था विरोध प्रदर्शन का ऐलान

पीएम के दौरे के चलते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पहले ही विरोध का ऐलान किया था। साथ ही राहुल गांधी का रास्ता रोकने वाले यूपी सरकार के मंत्री को लेकर भी सियासी घमासान मचा हुआ है। दरअसल, पीएम मोदी के वाराणसी दौरे के एक दिन पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे थे। तब बीजेपी ने राहुल गांधी का विरोध किया था। इसी के बाद प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने वोट चोरी का आरोप लगाते हुए पीएम मोदी के खिलाफ वाराणसी में विरोध करने की पूरी तैयारी की थी। उधर पीएम मोदी के विरोध करने की भनक लगते ही पुलिस तुरंत अलर्ट मोड में आ गई और आधी रात ही उन्हें लखनऊ स्थित आवास पर नजरबंद कर लिया गया है।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने बुधवार को ऐलान किया था कि पार्टी कार्यकर्ता रायबरेली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन के बाद गुरुवार को काशी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी वाले बौखला गए हैं। हमारे नेता ने जो वोट चोरी का मुद्दा उठाया, वो हर जगह फैल गया है। इसे पीएम मोदी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि उन्होंने रायबरेली में हमारे नेता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। गुरुवार को हमारे पार्टी कार्यकर्ता वाराणसी में इसके खिलाफ प्रदर्शन करेंगे।

मॉरीशस के पीएम के साथ होगी अहम वार्ता

प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार 11 सितंबर को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड का दौरा करेंगे। वाराणसी में पीएम, मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम का स्वागत करेंगे, जो 9 से 16 सितंबर तक भारत की यात्रा पर हैं। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बातचीत होगी, जिसमें सभी क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की जाएगी।

इसके अलावा स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक, ऊर्जा, बुनियादी ढांचा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा होगी। वाराणसी के बाद पीएम मोदी उत्तराखंड के देहरादून जाएंगे, जहां वो बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वे करेंगे और अधिकारियों के साथ एक हाई लेवल रिव्यू मीटिंग करेंगे।

न्यायालय द्वारा गैरइरादतन हत्या की घटना से सम्बन्धित दो अभियुक्तों को सात वर्ष का कारावास

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 लखनऊ द्वारा दिये गये आदेशों के क्रम में पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में जघन्य अपराधों में लिप्त अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध वैज्ञानिक विधि से साक्ष्य संकलन एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए कार्ययोजना के तहत मॉनीटरिंग सेल में नियुक्त अधि0/कर्म0गण/पैरोकार द्वारा न्यायालय में प्रभावी पैरवी व साक्ष्य हेतु महत्वपूर्ण गवाहों को प्रस्तुत कराकर न्यूनतम समय में अधिकतम सजा दिलाये जाने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना असन्द्रा पर गैरइरादतन हत्या के अपराध की घटना के सम्बन्ध में पंजीकृत मु0अ0सं0 134/2003 धारा 304/323/34 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्तगण रामकिशोर, रमाकान्त पुत्रगण हंसराज निवासीगण सिन्नी मजरे सड़वा भेलू थाना असन्द्रा जनपद बाराबंकी को उपरोक्त धाराओं में मा0 न्यायालय अपर जिला सत्र एवं न्यायाधीश कोर्ट नं0 08 बाराबंकी द्वारा दोषसिद्ध करते हुए सात वर्ष का कारावास व 11,000-11,000/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित से किया गया व अभियुक्तगण को धारा 3(1)यू0पी0 गैंगैस्टर एक्ट में दोषमुक्त किया गया। उक्त कार्यवाही से जनता में न्याय के प्रति विश्वास बढा तथा पुलिस पैरवी के इस प्रयास की जनता द्वारा भूरि भूरि प्रशंसा की गयी। उपरोक्त अभियोग पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 लखनऊ द्वारा चलाये जा रहे महिला सम्बन्धी जघन्य सनसनीखेज अपराध के तहत चिन्हित अभियोग है। दिनांक 25.06.2003 को थाना असन्द्रा पर वादी दिनेश कुमार पुत्र राजाराम निवासी सिन्नी थाना असन्द्रा जनपद बाराबंकी ने अभियुक्तगण 1.रामकिशोर, 2.रमाकान्त पुत्रगण हंसराज, 3.रामविलास(मृतक) निवासीगण सिन्नी मजरे सड़वा भेलू थाना असन्द्रा जनपद बाराबंकी के द्वारा वादी के पिता को पीट कर मार डालने के सम्बन्ध में सूचना दी गई।

अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार तथा उत्तर प्रदेश के नोडल ऑफिसर द्वारा निरीक्षण किया गया

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। संजीव नारायण माथुर, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार एवं नोडल ऑफिसर, उत्तर प्रदेश द्वारा आकांक्षी विकासखंड निंदूरा का निरीक्षण भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार तथा उत्तर प्रदेश के नोडल ऑफिसर संजीव नारायण माथुर द्वारा अपने तीन दिवसीय भ्रमण के अंतर्गत जनपद बाराबंकी के आकांक्षी विकासखंड निंदूरा का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर निदेशक, वित्त, भारत सरकार विपुल त्रिपाठी, अनुसचिव, भारत सरकार नैना वैश्य, उप कृषि निदेशक धीरेन्द्र सिंह, उप क़ृषि निदेशक, भूमि संरक्षण, लखनऊ विनय सिंह, क़ृषि रक्षा अधिकारी लखनऊ महेश चंद्र, भूमि संरक्षण अधिकारी, गोमती सौरभ कुमार, भूमि संरक्षण अधिकारी, कुर्सी विनोद कुमार यादव सहित 150 से अधिक स्थानीय कृषक एवं कृषक

उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे1 माथुर ने खिझना फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सदस्यों से संवाद स्थापित किया। निरीक्षण के दौरान माथुर ने कंपनी के सदस्यों से उनकी आजीविका, उत्पादन, विपणन और अन्य कृषि संबंधित चुनौतियों पर गहन चर्चा की। उन्होंने कृषकों की आय दोगुनी करने, सशक्तिकरण एवं उत्पादकता में वृद्धि, तथा एफपीओ (FPO) के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के उपायों पर विशेष जोर दिया। माथुर द्वारा फार्म मशीनरी बैंक का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मशीनरी की उपलब्धता, रखरखाव तथा उपयोग की स्थिति की समीक्षा की गई एवं संबंधित अभिलेखों की भी गहन जांच की गई। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि आधुनिक कृषि यंत्रों की पहुँच अधिक से अधिक कृषकों तक हो, जिससे उनकी कार्यक्षमता में सुधार हो सके। माथुर ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार कृषकों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा सभी योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचाना प्राथमिकता है। इस निरीक्षण से निंदूरा विकासखंड के कृषकों एवं संस्थाओं को नई दिशा एवं प्रोत्साहन मिलेगा।

'कातिल हैं पुलिसवाले...' दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, भाजपा कार्यकर्ता की मौत के बाद गाजीपुर में आक्रोश, गांववालों ने अफसरों को वापस भेजा

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में रुकूनुद्दीनपुर गांव है। इस गांव में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सीताराम उपाध्याय की मौत से कोहराम मचा है। साथ ही पुलिस के प्रति लोगों में काफी गुस्सा है। गांववालों का आरोप है कि बीते 9 सितंबर की रात गांव की समस्याओं को लेकर थाने पर शांति तरीके से धरना प्रदर्शन कर रहे सीताराम को पुलिस ने बर्बरता से लाठियों से पीटा।

घरवालों ने बताया कि 9/10 सितंबर की रात की घटना है। सीताराम अपने साथियों के साथ गांव की समस्याओं को लेकर थाने पर गए। यहां विकास राय की अध्यक्षता में वो थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। आरोप है कि उसी रात लगभग 1:30 बजे नोनहरा थाने की पुलिस की ओर से लाइट बंद कर इन सभी लोगों पर लाठीचार्ज किया गया, जिसमें कई लोग घायल हुए। उन घायलों में सीताराम उपाध्याय भी थे,

जिनकी गुरुवार सुबह मौत हो गई।

गांववालों ने बताई उस रात की कहानी

गांववालो ने बताया कि पास के ही गांव गठिया में बिजली के पोल को लेकर कुछ समस्या थी। इस समस्या को लेकर गांववालों ने पहले पुलिस से वार्ता की और जब कोई बात नहीं बनी, तब गांववालों ने अपना विरोध जताने के लिए धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसी बीच, देर रात पुलिस ने इनपर लाठीचार्ज कर दिया। धरना प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे विकास राय ने बताया कि वे अपने साथियों के साथ पहले थाना अध्यक्ष से मिले। कुछ देर बाद क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद भी मौके पर आए, लेकिन लोगों से कोई बात किए बगैर वह वापस चले गए। उनके जाने के कुछ देर बाद थाना अध्यक्ष अपने उच्च अधिकारियों से संपर्क में मोबाइल से बने हुए थे। अचानक से थाने की लाइट बंद कर सभी को पीटा।

पिटाई के बाद गांव में पुलिस ने दौड़ाया

पीड़ितो ने बताया कि पिटाई के बाद सभी लोगों को गांव में पुलिस ने दो-दो किलोमीटर तक दौड़ाया गया। इसी दौरान सीताराम उपाध्याय भी घायल होकर कहीं गिर पड़े थे, बाद में जब उन्हें होश आया तो किसी तरह अपने घर पहुंचे थे। सीताराम उपाध्याय के पिता गिरजा उपाध्याय ने बताया कि उनका बेटा बता कर गया था कि वह अपने साथियों के साथ धरना देने जा रहा है। लेकिन जब वह आया तो घायल अवस्था में था। उसकी पीठ,पैर और हाथों पर पिटाई के निशान थे। उन्होंने बताया कि बेटे ने बताया कि पुलिस ने उसकी पिटाई की है, जिसके बाद उन लोगों ने घर पर ही रखकर पास के ही डॉक्टर से इलाज शुरू कराया, लेकिन बीती रात उसकी मौत हो गई है। सभी दोषी पुलिसवालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

अधिकारियों को वापस भेजा

घटना की जानकारी होने के बाद थाना अध्यक्ष मोहम्मदाबाद सदर कोतवाली के कोतवाल सहित तमाम पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। लोगों से बात करने का प्रयास किया, लेकिन गांववालों ने पुलिस वालों से किसी भी तरह से बात करने से इनकार करते हुए उन्हें वापस लौटा दिया। वहीं, इस मामले में अभी तक पुलिस और जिला प्रशासन की किसी भी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

'अश्लील वीडियो की वजह से...' 12 साल के लड़के ने 6 साल की बच्ची से किया रेप, 8 साल का दोस्त देता रहा पहरा

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक नाबालिग लड़के ने 6 साल की बच्ची के साथ रेप किया। आरोपी लड़के की उम्र महज 12 साल है। जिस वक्त आरोपी मासूम के साथ दरिंदगी कर रहा था, उसी वक्त उसका 8 साल का दोस्त कमरे के बाहर पहरा दे रहा था। आरोप है कि दोनों लड़के अश्लील वीडियो देखते थे। वहीं, पुलिस में बच्ची के परिजन ने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस दोनों को अपने साथ ले गई है।

जाजमऊ के छबीलेपुरवा इलाके में बुधवार रात छह वर्षीय बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान मोहल्ले के ही दो किशोर, जिनकी उम्र आठ और बारह वर्ष बताई जा रही है, बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर बहलाया। दोनों किशोर बच्ची को पास ही एक सुनसान मकान में ले

गए। वहां 12 वर्षीय किशोर ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया, जबकि उसका 8 वर्षीय साथी बाहर पहरा दे रहा था।

आरोपी को लोगों ने पकड़ा

बच्ची के चीखने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पहरा दे रहा किशोर भागने में सफल रहा, लेकिन दुष्कर्म करने वाले नाबालिग को लोगों ने पकड़ लिया और बच्ची के परिजनों को सूचित कर पुलिस के हवाले कर दिया। बाद में पुलिस ने फरार किशोर को भी हिरासत में ले लिया।

घटना के बाद बच्ची को मेडिकल जांच के लिए कांशीराम अस्पताल ले जाया गया। एसीपी कैंट आकांक्षा पांडेय ने बताया कि बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है और दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। बच्ची के परिजन की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

मोबाइल पर अश्लील वीडियो देखते थे

पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। आरोपी नाबालिग है इसलिए उनको जुविनाइल कोर्ट में पेश करके बाल संप्रेक्षण गृह भेजा जाएगा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अभी तक की पूछताछ में किशोरों ने बताया है कि वो मोबाइल पर अश्लील वीडियो देखा करते थे और उसी की वजह से उन्होंने घटना को अंजाम दिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

नवरात्रि मेला की तैयरियों का कमिश्नर व जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

मीरजापुर। शारदीय नवरात्र मेले की तैयारियों को लेकर विंध्याचल धाम में हलचल तेज हो गई है। मंडलायुक्त, विंध्याचल बालकृष्ण त्रिपाठी व जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार मेला क्षेत्र में पहुंचकर मंदिर परिसर से लेकर गंगा घाट तक चल रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। 22 सितम्बर से आरम्भ हो रहे इस भव्य आयोजन में लगभग 30 लाख के आस-पास श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया जा रहा है।मंडलायुक्त ने मंदिर परिसर, गंगा घाट, बैरिकेटिंग व्यवस्था, पार्किंग स्थल, मेला मार्गों की साफ-सफाई और श्रद्धालुओं के बैठने हेतु सेड की व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाए और मेला आने वाले भक्तों को बेहतर से बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

प्रेमी ने दोस्त संग मिलकर प्रेमिका का किया रेप... फिर जबरन खिला दी गर्भपात की दवा, मौत

आर्यावर्त संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश से हैवानियत की एक घटना सामने आई है। यहां एक शख्स ने अपने दोस्त के साथ मिलकर मंदबुद्धि महिला से रेप किया। दोस्त के साथ मिलकर महिला का रेप करने वाला शख्स महिला का प्रेमी है। उसने अपने दोस्त के साथ मिलकर खेत में महिला से हैवानियत की। इतना ही नहीं रेप के बाद महिला को गर्भ निरोधक दवाइयां खिला दी गईं। इसके बाद इलाज के दौरान अस्पताल में महिला की मौत हो गई।

ये पूरी घटना यूपी के हमीरपुर जिले के कुकरा इलाके की है। महिला की मौत एलएलआर अस्पताल में बुधवार को हुई। महिला की मौत के ग्रामीण आक्रोशित हो गए। इसके बाद पुलिस एक्शन में आई। फिर महिला के प्रेमी और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया गया। मृतक महिला के पिता ने बताया कि दो साल से उनकी बेटी मायके में रह रही थी क्योंकि ससुराल में विवाद हुआ था।

प्रेमी से बनाए अवैध संबंध

मृतका के पिता ने बताया कि इसी दौरान गांव के रहने वाले 50 साल के एक शख्स से बेटी की नजदीकियां बढ़ गईं। शख्स का नाम रामबाबू वाल्मीकि है। दोनों ने अवैध संबंध भी बनाए। चार माह पहले बेटी गर्भवती हो गई। इससे बाद रामबाबू से उससे मिलना छोड़ दिया। परिवार वालों के उसके घर पहुंचने पर रामबाबू ने गाली-गलौज की और भगा दिया।

गर्भ निरोधक दवाओं से हालत बिगड़ी

बीते रविवार शाम को रामबाबू और उसका दोस्त गर्भवती महिला को खेत में लेकर गए और उसके साथ रेप किया। इसके बाद उसे जबरन गर्भ निरोधक दवाएं खिला दीं, जिससे महिला की हालत बिगड़ गई। फिर घर वालों को महिला ने आपबीती बताई। सोमवार को पीड़ित महिला के पिता उसको लेकर थाने पहुंचे और रेप की तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ रेप का मामला दर्ज कर लिया। फिलहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं।

परिवहन व ट्रैफिक की संयुक्त टीम ने बिना हेलमेट 15 वाहनो के किये चालान

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। परिवहन विभाग द्वारा चलाये जा रहे नो हेलमेट नो फ्यूल अभियान के तहत आज परिवहन एंव यातायात विभाग की अलग-अलग टीमो ने जनपद के विभिन्न मार्गो पर चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान दर्जनो से अधिक दोपहिया वाहनो के चालान किये गये। आज सहायक सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन/प्रवर्तन अंकिता शुक्ला की टीम ने थाना बड्डूपुर क्षेत्रान्तर्गत स्थित पेट्रोल पम्प मे बिना हेलमेट ईधन भरवाने आये वाहनो के चालान किये। तथा चालको को रोड़ सेफ्टी नियमो व हेलमेट की उपयोगिता के बारे मे बताते हुये जागरुक किया। चेकिंग के दौरान एआरटीओ को 33 टन ओवरलोड़ मिलने पर ट्रक को थाना कुर्सी पर निरुद्ध किया। तो वही यात्री मालकर अधिकारी रवि चन्द्र त्यागी व टीएसआई मधुसूदन की टीम ने बिना हेलमेट मिलने पर 15 दो पहिया वाहनो के चालान किये। तथा 2 ओवरलोड़ वाहनो को थाना कुर्सी मे सीज किया।

'दवा खिलाकर गर्भ में पल रहे बच्चे को मारा...' अब महिला की मिली लाश, मथुरा में 7 महीने की शादी का दर्दनाक अंत

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में बुधवार को विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे मायके पक्ष वालों ने मृतका के ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या और जबरन गर्भपात कराने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर पर पति समेंत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मृतका की पहचान संतोषी को रूप में हुई है। उसकी उम्र 25 साल बताई जा रही है।

मामले हाईवे क्षेत्र स्थित बलराम सिटी का है। यहां एक शादीशुदा महिला का शव शादी के केवल सात महीन बाद फंदे से लटका मिला। मामले में मृतका के पिता ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी संतोषी की शादी सात महीने पहले हाईवे थाना क्षेत्र के बलराम सिटी निवासी राजीव कोहली से की थी। वो स्वास्थय विभाग में कार्यरत है।

ससुराल वाले पर उत्पीड़न के आरोपी

मृतका के पिता ने बताया कि बेटी की शादी में उन्होंने हैसियत के मुताबिक दान-दहेद भी दिया था, जिसमें एक कार 9 लाख नकद समेत लाखों रुपये खर्च किये। शादी के कुछ दिनों के बाद से ससुराल वाले और दहेद की मांग को लेकर बेटी को परेशान करने लगे। उन लोगों ने उसके साथ मार-पीट भी की।

वे सभी 10 अगस्त को बेटी को उनके गांव परसारा के बाहर छोड़कर चले गए थे। इसकी शिकायत उन्होंने महिला थाना हाथरस में की थी। शिकायत के बाद उन लोगों ने बेटी को फिर कभी परेशान न करने का आश्वासन देकर उसे ससुराल ले आए थे।

जबरन कराया गर्भपात

पिता ने यह भी बताया कि शादी के बाद बेटी गर्भवती भी हो गई थी, लेकिन ससुराल वाले बच्चा नहीं चाहते थे। इसके लिए उन लोगों ने बेटी को धोखे से दवा खिलाकर उसका गर्भपात करा दिया था। ये बात उसने अपनी मां को बताई थी।

पिता ने लगाया हत्या का आरोप

पिता का आरोप है कि बेटी के ससुराल वालों ने उसकी हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया और भाग गए। उन्हें मामले की जानकारी तब हुई जब उसी कॉलोनी में रहने वाली उनकी साली पार्वती ने फोन पर पूरा मामला बताया।

जांच में जुटी पुलिस

मामले की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले में पुलिस ने पिता की तहरीर पर मृतका के ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच में जुट गई है।

खोए हुए छ : मोबाइल फोन को स्वामियों को किया गया सुपुर्द

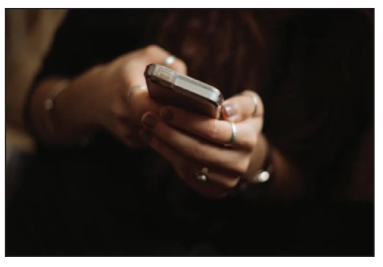

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। खोये हुए 06 अदद मोबाइल फोन को जमालपुर थाना पुलिस ने बरामद कर उनके स्वामियों को किया सुपुर्द किया है।

थाना जमालपुर क्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न आवेदको अमित कुमार पुत्र कल्लू राम निवासी हनुमानपुर थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर,अरुण कुमार पाण्डेय पुत्र हरिशंकर पाण्डेय निवासी पसही थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर, राजकुमार निवासी पीड़खीर थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर, नवीन सिंह निवासी भगवानपुर, थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर, राजन विश्वकर्मा निवासी खेमईबरी थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर व आशु कुमार निवासी हर्दी सहिजनी थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर का मोबाइल गुम हो गया था। जिसके सम्बन्ध में थाना जमालपुर पर गुमशुदगी दर्ज कर सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से त्वरित कार्यवाही करते हुए खोये हुए सभी मोबाइलों को बरामद कर थाना जमालपुर पुलिस द्वारा उनके स्वामियों को सुपुर्द किया गया है। खोया हुआ अपना मोबाइल फोन पाकर उनके स्वामियों द्वारा मीरजापुर पुलिस अधिकारीगण एवं थाना जमालपुर पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया गया है। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अमित कुमार, उ0नि0 सुनील राय, कम्प्यूटर आपरेटर संजीव कुमार सरोज व का0इनय कुमार शामिल रहे।

मोबाइल से सोशल मीडिया तक... बच्चों की ऑनलाइन एक्टिविटीज पर नजर रखने के लिए अपनाएं ये 5 स्मार्ट टिप्स

आज के समय में ज्यादातर कामों के लिए इंटरनेट का उपयोग किया जाता है। बच्चे भी पढ़ाई से लेकर गेमिंग के लिए मोबाइल का उपयोग करते हैं। लेकिन अगर इसका सही काम के लिए उपयोग न किया जाए, तो इसका गलत प्रभाव भी बच्चे पर पड़ सकता है। मोबाइल से सोशल मीडिया तक बच्चों कीऑनलाइन एक्टिविटीजनजर रखने के लिए पेरेंट्स इन टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

आज का दौर को डिजिटल युग भी कहा जा सकता सकता है। इस समय बड़ें से लेकर छोटे-छोटे बच्चों के हाथ में भी मोबाइल देखने को मिलता है क्योंकि बच्चों की पढ़ाई भी कई बार ऑनलाइन होती है या फिर एंटरटेनमेंट और गेमिंग के लिए वह मोबाइल का उपयोग तो करती ही हैं। ऐसे में पेरेंट्स के लिए सबसे बड़ी समस्या बन जाती है। क्योंकि बच्चे ऑनलाइन क्या देख रहे हैं वह इस बारे में बहुत सोचते रहते हैं। आज के डिजिटल युग में पेरेंट्स के लिए बच्चों की ऑनलाइन एक्टिविटिज पर नजर रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है।

इंटरनेट पर जहां एक तरफ ज्ञान और मनोरंजन से जुड़ी चीजों देखने को मिलती हैं। वहीं दूसरी ओर इसके कई नेगेटिव इफेक्ट भी हैं। अगर इंटरनेट का सही तरीके से उपयोग न किए जा, तो इससे बच्चे के व्यक्तित्व और स्वभाव पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। ऐसे में अपने बच्चों को डिजिटल दुनिया से सेफ रखना बेहद जरूरी है। इसलिए आप यहां दिए गए टिप्स की मदद से इस पर नजर रख सकते हैं कि आपका बच्चा इंटरनेट से क्या सिख रहा है।

बच्चों से बात करें

सबसे पहली बात तो पेरेंट्स को अपने बच्चों से इस बारे में बात करनी चाहिए कि वह इंटरनेट का उपयोग क्यों कर रहे हैं और उससे क्या सिख रहे हैं। उनसे पूछे कि वह इंटरनेट पर क्या देखते हैं, कौन-से ऐप्स या वेबसाइट्स उपयोग करते हैं। जब बच्चों को लगता है कि पेरेंट्स उनकी बात समझ रहे हैं, तो वह किसी दिक्कत या परेशानी उन्हें खुद ही बताने लगते हैं। इससे दोनों के बीच विश्वास बढ़ता है, साथ ही बच्चे अपने पेरेंट्स से बात नहीं छुपाते हैं।

पेरेंट्स कंट्रोल ऐप्स

आजकल ज्यादा स्मार्टफोन, टैबलेट और कंप्यूटर में पैरेंटल कंट्रोल फीचर्स होता है। इसके साथ ही कई ऐप्स भी बन गई हैं, आप उसका उपयोग कर सकते हैं। इसके जरिए आप अपने बच्चे के स्क्रीन टाइम को सीमित कर सकते हैं। इसके साथ ही अनयूज्ड वेबसाइट्स को ब्लॉक कर सकते हैं। आप पैरेंटल कंट्रोल ऐप्स मोबाइल में इंस्टॉल कर सकते हैं।

ऑनलाइन सेफ्टी के बारे में सिखाएं

बच्चों को यह बताना बहुत जरूरी है कि वह अपने से जुड़ी जानकारी जैसे कि नाम, पता, स्कूल का नाम और फोन नंबर आदि किसी के साथ शेयर न करें। इसके अलावा मोबाइल पर आई किसी भी लिंक पर क्लिक न करें। क्योंकि इससेस्कैमहो सकता है। इसके अलावा किसी हर एक वेबसाइट्स की लिंक पर क्लिक करना भी जरूरी नहीं होता है। बच्चों की सेफ्टी और जिम्मेदार इंटरनेट यूजर बनाना पेरेंट्स की जिम्मेदारी होती है।

समय निर्धारित करें

अगर आपका बच्चा पढ़ाई या गेम खेलने के लिए मोबाइल का उपयोग करता है। तो उसके लिए एक समय निर्धारित करें कि कब से कब तक बच्चों को मोबाइल चलाने की परमिशन देनी है। कई बच्चे रात में या फिर खाना खाते समय भी मोबाइल का उपयोग करते हैं, जो की बहुत गलत है। इसलिए मोबाइल चलाने के लिए समय निर्धारित करना बहुत जरूरी है। अगर पढ़ाई से जुड़ी कुछ काम है तो पेरेंट्स बच्चे के साथ खुद बैठे और इंटरनेट पर चीजों को ढूंढने में उनकी मदद करें।

खुद बनें रोल मॉडल

आज के समय में ज्यादातर लोगों का काम ऑनलाइन होता है। ऐसे में वह खुद ऑफिस के बाद भी घर पर मोबाइल का उपयोग करते हैं या फिर वेब सीरीज देखने और रील्स देखने के लिए मोबाइल चलाते रहते हैं। लेकिन पेरेंट्स को पहले खुद बच्चों के सामने मोबाइल का उपयोग करना कम करना चाहिए। क्योंकि बच्चे बड़ों से हो सीखते हैं। इसलिए पेरेंट्स खुद भी सोशल मीडिया का उपयोग और स्क्रीन टाइम को सीमित करें।

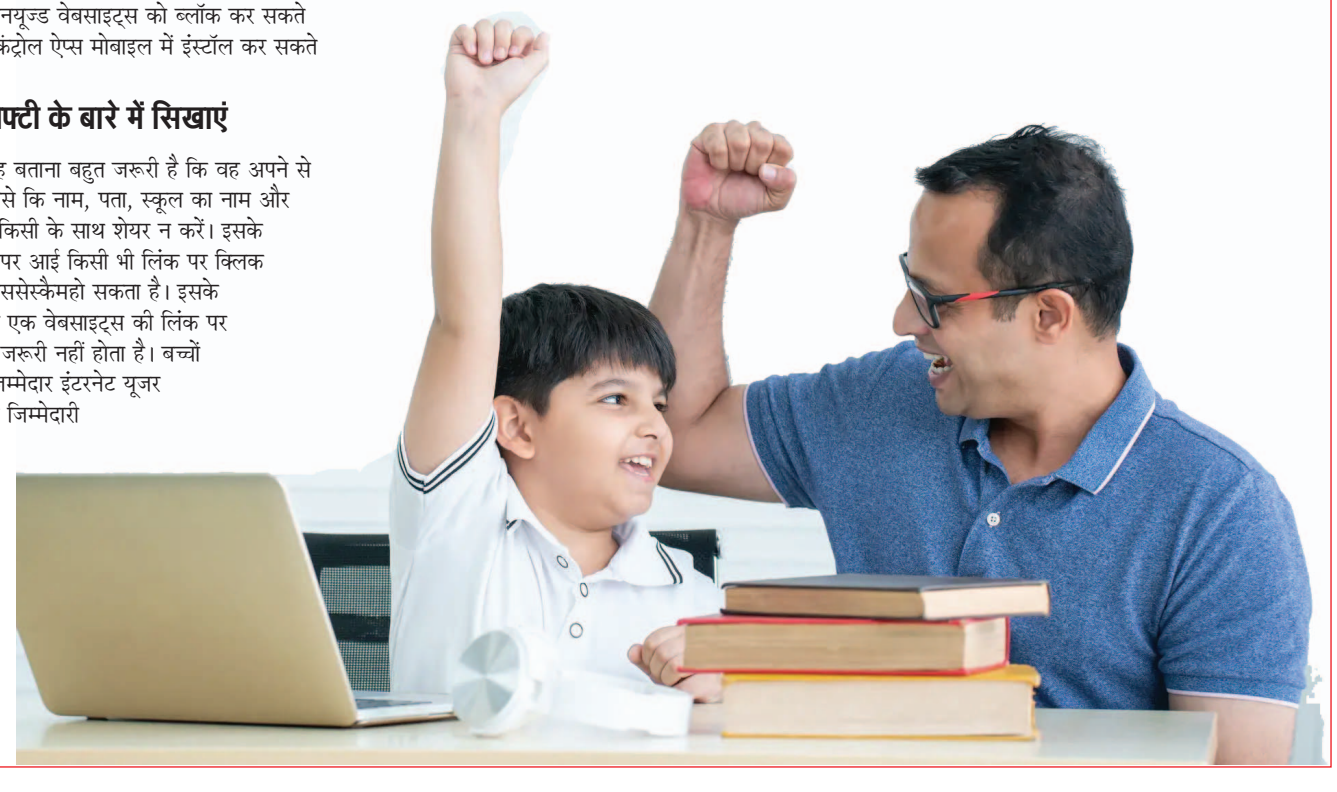

मंगोस्टीन को कहते हैं फलों की रानी, इससे बनने वाले ये पकवान सभी को आएंगे पसंद

मैंगोस्टीन

फलों की रानी कहलाया जाने वाला फल मंगोस्टीन अपनी मिठास से सबका पसंदीदा बन जाता है। इसका स्वाद मीठा होता है और लीची व आम जैसे कई फलों का मिश्रण लगता है। अगर आप इस फल को डाइट का हिस्सा बनाते हैं तो आपको स्वस्थ त्वचा समेत कई फायदे मिल सकते हैं। वैसे तो इस फल को ऐसे ही खाना सबसे बढ़िया रहता है। हालांकि, आप इससे ये 5 लजीज पकवान भी बना सकते हैं, जिनकी रेसिपी आसान होती है।

मैंगोस्टीन की स्मूदी

मैंगोस्टीन की स्मूदी बनाने के लिए आपको 3 पके हुए मैंगोस्टीन, एक केला, एक कप नारियल का दूध, एक चम्मच शहद और घिसा हुआ नारियल चाहिए होगा। सबसे पहले मैंगोस्टीन को छीलकर उसका फल निकाल लें और बीजों को फेंक दें। अब एक ब्लेंडर में फल को डालें और उसमें केला, नारियल का दूध, शहद और घिसा हुआ नारियल भी शामिल कर दें। इन सभी सामग्रियों को ब्लेंड करें और गिलास में निकालकर घिस नारियल छिड़ककर परोसें।

मैंगोस्टीन का पन्ना कोटा

मैंगोस्टीन का पन्ना कोटा बनाने के लिए सबसे पहले जेलेटिन को पानी में भिगोएं। इसके बाद दूध उबालकर उसमें जेलेटिन डालें और अच्छी तरह घुल जाने दें। इसे एक कटोरे में निकालें और उसमें मैंगोस्टीन का पल्प, दही और पिसी चीनी मिला दें। इसमें नींबू का रस मिलाएं और उसके छिलके को कद्दूकस करके भी डाल दें। इसे गिलास में डालकर फ्रिज में जमने के लिए रख दें। ऊपर से आम का जूस डालकर उसे दोबारा जमा लें और परोसें।

की चाय

मैंगोस्टीन का फल तो स्वादिष्ट होता ही है, साथ ही उसके छिलके में भी बहुत पोषण होता है। आप छिलकों को फेंकने के बजाय उनकी मदद से हर्बल चाय बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले मैंगोस्टीन का छिलका उतार लें और उसके अंदर का मोटा भाग प्लेट में निकालें। अब इस भाग को धूप में सुखा लें और डिब्बे में भरकर रख लें। जब भी मन करे छिलकों को पानी में उबालकर चाय बना लें।

मैंगोस्टीन की आइसक्रीम

मैंगोस्टीन की आइसक्रीम तैयार करने के लिए सबसे पहले इस फल को चम्मच की मदद से मीस लें। ऐसा करने से उसका रस बन जाएगा। इसके बाद एक कटोरे में व्हिप्पिंग क्रीम लेकर फेटें। जब यह क्रीम मलाईदार हो जाए तब उसमें मैंगोस्टीन का रस, बारीक कटे खजूर और गाढ़ा नारियल का दूध मिला दें। इसे एक ढक्कन वाले बर्तन में डालें और फ्रीजर में कम से कम 4 घंटे जमने दें। मैंगोस्टीन खाने से आपको ये लाभ मिलेंगे।

मैंगोस्टीन के क्रेप

क्रेप एक पतला फ्रेंच पैनकेक होता है, जिसे फलों और चॉकलेट सिरप आदि के साथ खाया जाता है। इसे बनाने के लिए एक मिक्सी में मैदा, आटा, नमक, पिसी चीनी, दूध और पानी को पीसें। इसे छन्नी की मदद से छानते हुए एक बड़े कटोरे में निकाल लें। इसके बाद इसमें मैंगोस्टीन का जूस डालकर मिला दें। अब तवे पर मक्खन लगाएं और पतला बैटर फैलाकर दोनों तरफ से पका लें। इसे मैंगोस्टीन के साथ ही परोसें।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिर पड़ीं स्वीडन की हेल्थ मिनिस्टर, जानें किन वजहों से अचानक आ सकता है चक्कर

्वीडन की हेल्थ मिनिस्टर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अचानक चक्कर आने की वजह से गिर गईं, जिनका वीडियो इन तेजी से वायरल हो रहा है। आइए इस लेख में जानते हैं कि किन-किन वजहों से चक्कर आ सकता है।

हाल ही में स्वीडन की नई स्वास्थ्य मंत्री एलिसाबेथ लैन एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर पड़ीं। इस घटना ने सबको चौंका दिया, हालांकि कुछ ही समय बाद उन्होंने खुद बताया कि ऐसा ब्लड शुगर लेवल गिरने की वजह से हुआ। यह घटना हमें याद दिलाती है कि अचानक चक्कर आना या बेहोश हो जाना सिर्फ थकान का लक्षण नहीं होता। यह एक गंभीर चेतावनी हो सकती है, जिसे हमें कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

अक्सर हम इन लक्षणों को मामूली समझकर छोड़ देते हैं, लेकिन ये शरीर में चल रही किसी बड़ी समस्या का संकेत हो सकते हैं। चक्कर आना सिर्फ एक लक्षण है, जिसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जो साधारण से लेकर जानलेवा भी हो सकते हैं। आइए, जानते हैं कि किन वजहों से अचानक चक्कर आ सकते हैं और कब हमें इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

अचानक ब्लड शुगर का कम होना

चक्कर आने के कुछ सबसे आम कारण होते हैं जो ज्यादा गंभीर नहीं होते। इनमें पानी की कमी (डिहाइड्रेशन), ब्लड शुगर का कम होना और लंबे समय तक खड़े रहने के बाद अचानक बैठने या लेटने से ब्लड प्रेशर का गिरना शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्वास्थ्य मंत्री एलिसाबेथ लैन का भी ब्लड शुगर लेवल गिरने की वजह से चक्कर आया था। जब शरीर में पानी की कमी होती है या ब्लड शुगर कम हो जाता है, तो दिमाग को पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं मिल पाते, जिससे चक्कर आने की आशंका बढ़ जाती है।

स्वास्थ्य संबंधी गंभीर स्थितियां

कभी-कभी चक्कर आना किसी गंभीर बीमारी का भी संकेत हो सकता है। इनमें एनीमिया (शरीर में खून की कमी), या तंत्रिका संबंधी विकार (जैसे माइग्रेन) शामिल हैं। दिल की धड़कन अनियमित होने पर भी दिमाग तक रक्त का प्रवाह बाधित हो सकता है, जिससे चक्कर आने की आशंका बढ़ जाती है।

लाइफस्टाइल और अन्य कारक

हमारी जीवनशैली भी चक्कर आने का कारण बन सकती है। अधिक तनाव और पर्याप्त नींद न लेना दोनों ही शरीर के हार्मोनल संतुलन को बिगाड़ सकते हैं, जिससे चक्कर आ सकता है। इसके अलावा कुछ दवाइयों के साइड एफेक्ट की वजह से भी चक्कर आ सकता है, जैसे हाई ब्लड प्रेशर या अवसाद (डिप्रेशन) की दवाइयां।

डॉक्टर से सलाह है जरूरी

अगर आपको बार-बार या अचानक बिना किसी कारण के चक्कर आते हैं, तो इसे नजरअंदाज न करें। यह शरीर में किसी गड़बड़ी का संकेत भी हो सकता है। ऐसे में तुरंत किसी डॉक्टर से सलाह लें, ताकि सही कारण का पता लगाया जा सके और समय पर इलाज शुरू किया जा सके। इससे बचने के लिए आप स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं और संतुलित आहार लें साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं।

आम जनता के प्रति जवाबदेही और विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक, महंगाई पर नियंत्रण की रणनीति

सरकार ने लगातार दूसरी बार ऐसा कर संदेश दिया है कि जनता के हित उसके हर फैसले की धुरी हैं। यह दुर्लभ है कि कम समय में दो बड़े कर सुधार लागू किए जाएं। यही वह नीति है, जिसने मोदी सरकार को आम आदमी के बीच विश्वास का प्रतीक बना दिया है।

सरकार ने आयकर के बाद अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में भी सबसे बड़ा सुधार करते हुए 'जीएसटी 2.0' लागू करने का साहसिक निर्णय लिया है। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए यह आसान नहीं होता, क्योंकि टैक्स में राहत का सीधा असर राजकोष पर पड़ता है। लेकिन, सरकार ने लगातार दूसरी बार ऐसा कर संदेश दिया है कि जनता के हित उसके हर फैसले की धुरी हैं। यह दुर्लभ है कि कम समय में दो बड़े कर सुधार लागू किए जाएं। यही वह नीति है, जिसने मोदी सरकार को आम आदमी के बीच विश्वास का प्रतीक बना दिया है।

विपक्ष की आशंकाएं सच्चाई से कोसों दूर

विपक्ष इस बार भी जनता के हित में लिए गए सरकार के इतने बड़े फैसले पर भ्रम फैला रहा है। कई विपक्षी नेताओं का आरोप है कि सरकार ने सिर्फ दरों का पुनर्गठन किया है और इससे वास्तविक सस्तीकरण नहीं होगा। सच्चाई यह है कि बदलाव उपभोक्ता बाजार में पहले ही दिखाई दे रहे हैं। दवा कंपनियां नई कीमतें घोषित कर चुकी हैं। बीमा कंपनियां कम प्रीमियम वाली योजनाएं पेश कर रही हैं। उपभोग वस्तुओं के ब्रांड्स ने एमआरपी घटाने की घोषणाएं शुरू कर दी हैं। यह सुधार लोगों की जिंदगी को आसान बनाने के लिए किया गया है। सरकार ने स्पष्ट कहा है, टैक्स कलेक्शन की कमी को विकासशील क्षेत्रों और बढ़ी हुई मांग से पूरा किया जाएगा।

आम जीवन पर सीधा असर

इस सुधार का सबसे बड़ा फायदा आम आदमी को मिलता दिख रहा है। दैनिक उपभोग की वस्तुएं अब पांच फीसदी या शून्य टैक्स के दायरे में आ गई हैं। इसका असर रसोई से दवा की दुकान तक दिखेगा। मोदी सरकार ने खाद्य पदार्थों में सीधी राहत दी है। पैकेज्ड पनीर जैसी चीजें अब सस्ती होंगी।

सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में भी सोचा। जीवनरक्षक दवाएं और कैंसर, हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों की दवाएं जीएसटी मुक्त कर दी गई हैं। स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम को भी टैक्स नहीं लगेगा। टीवी, एसी जैसी रोजमर्रा की बड़ी जरूरतें 28 से घटकर 18 फीसदी जीएसटी के दायरे में आ गई हैं। ये कदम सरकार की उस नीतिगत सोच को दर्शाते हैं, जिसमें 'जनता की जेब में बचत' को विकास का अहम आधार माना गया है।

उपभोग और मांग में बढ़ोतरी

जीएसटी स्लैब घटने का असर सीधे उपभोग पर पड़ना तय है। वित्त विशेषज्ञों का मानना है कि इससे मांग बढ़ेगी। छोटे व्यापारियों से लेकर बड़ी कंपनियों तक को फायदा मिलेगा। बाजारों में पहले ही रौनक लौटने लगी है और त्योहारी सीजन से पहले ग्राहकों में खरीदारी को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

युवाओं के लिए सशक्त अवसर

नया स्ट्रक्चर भारत के युवाओं के लिए एक सशक्त अवसर प्रस्तुत करता है। दरों को सरल बनाकर, अनुपालन प्रक्रिया को सहज बनाकर और बीमा जैसी आवश्यक सेवाओं पर छूट देकर, यह प्रणाली घरेलू खरीद क्षमता को बढ़ावा देती है। इससे युवाओं की जेब पर बचत के रूप में सीधा असर पड़ेगा।

स्टार्टअप-छोटे उद्यमों को भी लाभ

नई व्यवस्था से स्टार्टअप्स और छोटे उद्यमों को भी लाभ होगा, क्योंकि कम कर दरें एवं आसान नियम नवाचार को बढ़ावा देंगे। युवा उद्यमियों के लिए यह अनुकूल वातावरण प्रदान करता है, जिसमें वे अपने विचारों को व्यवसाय में बदल सकते हैं। बीमा जैसी सेवाओं पर छूट उन्हें स्वास्थ्य और वित्तीय सुरक्षा की ओर प्रोत्साहित करती है।

डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों को यह नया जीएसटी ढांचा मजबूत आधार दे रहा है। यह न सिर्फ आज के परिवारों के लिए सुधार है, बल्कि उस भारत की नींव है, जिसका निर्माण यह युवा पीढ़ी करेगी। वास्तव में जीएसटी 2.0 युवाओं को उपभोक्ता ही नहीं, देश के भविष्य निर्माता बनने की राह पर अग्रसर करता है।

निवेश और उद्योग जगत को बल

जीएसटी 2.0 उद्योग जगत के लिए भी राहत पैकेज है। छोटे व मझोले उद्यमों को जटिल कर दरों और कैटेगरी क्लासिफिकेशन के बोझ से मुक्ति मिलेगी। इनपुट टैक्स क्रेडिट सरल होगा। अब कंपनियों को इनवॉइस मिलान की जटिलता से नहीं जूझना पड़ेगा, जिससे कारोबारी माहौल आसान होगा। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत का टैक्स ढांचा अब दुनिया के लिए एक मॉडल बन सकता है। यह सुधार सिर्फ टैक्स कलेक्शन ही नहीं, बल्कि निवेश और रोजगार सृजन का नया द्वार खोलेगा।

महंगाई पर नियंत्रण की रणनीति

महंगाई किसी भी सरकार की सबसे बड़ी चुनौती होती है। जीएसटी 2.0 का लक्ष्य सिर्फ उपभोग बढ़ाना नहीं, बल्कि महंगाई को नियंत्रित करना भी है। जब जरूरी वस्तुएं सस्ती होती हैं, तो उपभोक्ता की जेब पर दबाव कम होता है और परोक्ष रूप से महंगाई घटती है। वैश्विक एजेंसियों के अनुमान हैं कि इस सुधार से महंगाई एक फीसदी तक घट सकती है। यह भारत की वृद्धि को और स्थिर आधार देगा।

मस्क ने फिर हासिल किया सबसे अमीर व्यक्ति का ताज, चंद घंटों में ही फिसले ओरेकल के सह संस्थापक एलिसन

टेक दिग्गज एलन मस्क ने एक बार फिर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति का ताज हासिल कर लिया। बुधवार को ओरेकल के सह संस्थापक लैरी एलिसन उनसे आगे निकल गए थे, लेकिन चंद घंटे बाद ही कहानी बदल गई। इसके बाद मस्क अपने पहले पायदान पर वापस आ गए।

एलन मस्क ने 2021 में पहली बार दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति का खिताब हासिल किया था। इसके बाद से वे लगातार इस खिताब को बरकरार रखने में कामयाब रहे। 2021 में एलवीएमएच के बर्नार्ड अरनॉल्ट और 2024 में अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस उनसे आगे निकल गए थे। मगर मस्क ने पिछले साल इसे फिर से प्राप्त किया था और इसे 300 दिनों से अधिक समय तक अपने पास रखा था। इसके बाद बुधवार को इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाओं की बढ़ती मांग के चलते ओरेकल के शेयरों में तेज उछाल आया। इसके बाद ओरेकल के सह संस्थापक एलिसन कुछ घंटों के लिए मस्क से आगे निकल गए।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार शाम को ओरेकल की आय रिपोर्ट के बाद एलिसन की कुल संपत्ति 89 अरब डॉलर बढ़कर 383.2 अरब डॉलर हो गई। एक समय तो उनकी संपत्ति 101 अरब डॉलर तक पहुंच गई थी, जो ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स पर अब तक की एक दिन में होने वाली सबसे बड़ी बढ़ोतरी थी।

ओरेकल के सबसे बड़े व्यक्तिगत शेयरधारक एलिसन ने इन बढ़त के चलते कुछ समय के लिए मस्क को दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के रूप में पीछे छोड़ दिया। बुधवार को कारोबार खत्म होने तक मस्क ने 384.2 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ शीर्ष स्थान फिर से हासिल कर लिया, जो एलिसन से 1 अरब डॉलर अधिक था।

शेयरों में 43 फीसदी का इजाफा

ओरेकल के शेयरों में बुधवार को 43 फीसदी तक की वृद्धि हुई। अंत में यह 36 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ, जो 1992 के बाद से एक दिन में हुई सबसे बड़ी वृद्धि थी। शेयर के प्रदर्शन को मजबूत आय और एआई की मांग से संबंधित तेजी के पूर्वानुमान से बल मिला। ओरेकल का बाजार मूल्य लगभग 244 अरब डॉलर बढ़कर लगभग 922 अरब डॉलर हो गया। कंपनी ने एसएंडपी 500 रैंकिंग में भी छलांग लगाई और 13वीं सबसे मूल्यवान कंपनी से 10वें स्थान पर पहुंच गई। इसने एली लिली, वॉलमार्ट और जेपी मॉर्गन चेज़ जैसी उद्योग की दिग्गज कंपनियों को पीछे छोड़ दिया।

कमला हैरिस का पूर्व राष्ट्रपति बाइडन पर बड़ा खुलासा, कहा– दोबारा चुनाव लड़ने का फैसला अहंकार से भरा हुआ था

वॉशिंगटन, एजेंसी। पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन को लेकर बड़ा खुलासा किया है। हैरिस ने बाइडन को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि उनका 2024 में दोबारा राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का फैसला अहंकार से भरा हुआ था। यह एक लापरवाह कोशिश थी। बाइडन का दूसरा कार्यकाल लेने का निर्णय कर्तव्य से कम और व्यक्तिगत अहंकार और महत्वाकांक्षा से भरा था। एक संस्मरण में कमला हैरिस ने कहा कि यह जो और जिल का फैसला है। हम सभी ने इसे मंत्र की तरह कहा, मानो हम सभी सम्मोहित हो गए हों। क्या यह अनुग्रह था या यह लापरवाही थी? पीछे मुड़कर देखती हूं तो मुझे लगता है कि यह लापरवाही थी। उस वक्त दांव बहुत ऊंचे थे। यह ऐसा विकल्प नहीं था जिसे किसी व्यक्ति के अहंकार या महत्वाकांक्षा पर छोड़ दिया जाना चाहिए था। यह एक व्यक्तिगत निर्णय से कहीं अधिक होना चाहिए था।

बाइडन को मना नहीं कर सकती थी

पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस 2024 के चुनाव में जो बाइडन के स्वास्थ्य कारणों के चलते उम्मीदवारी छोड़ने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनी थीं। उन्होंने 107 दिन प्रचार अभियान चलाया था। कमला हैरिस ने अपनी किताब 107 डेज में लिखा है कि मैं बाइडन को दोबारा चुनाव नहीं कह सकती थी। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस के सभी लोगों में से मैं यह तर्क देने के लिए सबसे कमज़ोर स्थिति में थी कि बाइडन को चुनाव से हट जाना चाहिए। मुझे पता था कि अगर मैंने उन्हें चुनाव न लड़ने की सलाह दी तो यह उनके लिए बेहद स्वार्थी कदम होगा।

नेपाल में फौरी राहत के साथ बढ़ाया गया कर्फ्यू, जानें अंतरिम सरकार पर क्या बोले प्रदर्शनकारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में दो दिन की हिंसा के बाद शुक्रवार तक कर्फ्यू बढ़ा दिया गया है. अब शाम पांच बजे से सुबह छह बजे तक कर्फ्यू लागू रहेगा. फौरी राहत के लिए सुबह और शाम, दो-दो घंटे की ढील दी गई है. इस दौरान लोगों को सिर्फ जरूरी काम के लिए ही बाहर निकलने की अनुमति है.

इसके बाद दिन और रात का कर्फ्यू सख्ती से लागू रहेगा। प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद हालात धीरे-धीरे सामान्य होते दिख रहे हैं। कर्फ्यू में ढील मिलते ही लोग बाजारों और दुकानों पर आवश्यक सामान खरीदने के लिए दौड़ पड़े। हालांकि, सड़कों पर गाड़ियां बेहद कम दिखीं और कई स्थानों पर हाल की हिंसा के निशान साफ नजर आए।

चप्पे-चप्पे पर सेना का सख्त पहरा

नेपाल सेना बुधवार शाम से ही सड़कों पर तैनात है। सेना ने चेतावनी दी है कि किसी भी तरह का प्रदर्शन, आगजनी या तोड़फोड़ को आपराधिक कृत्य माना जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सेना ने देश में सुरक्षा की कमान अपने हाथ में ले ली है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, रविवार से शुरू हुई हिंसा में अब तक 30 लोगों की मौत हो चुकी है। कुल 1,061 लोग घायल हुए, जिनमें से 719 को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है जबकि 274 का इलाज जारी है। हिंसा के दौरान देशभर की कई जेलों से 7,000 से अधिक कैदी भाग निकले।

अंतरिम सरकार पर क्या बोले प्रदर्शनकारी?

नेपाल में जारी राजनीतिक अस्थिरता के बीच प्रदर्शनकारी अंतरिम सरकार के नेतृत्व को लेकर अलग-अलग राय रख रहे हैं। कई प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू के मेयर बालेन्द्र शाह (बालेन) को प्रधानमंत्री बनाए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि पुरानी राजनीतिक जमातों से छुटकारा पाकर ही देश के लिए ईमानदार नेतृत्व तैयार हो सकता है।

हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि देश चलाना आसान काम नहीं है। ऐसे में पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुषिला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए। प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि कार्की के पास देश को संभालने और प्रशासनिक प्रबंधन का अनुभव है, जो इस कठिन समय में बेहद जरूरी है।

इसी बीच, एक अन्य प्रदर्शनकारी ने ये भी बताया कि बालेन्द्र शाह (बालेन) ने खुद भी कार्की का समर्थन किया है क्योंकि वह उनसे वरिष्ठ हैं। उन्होंने कहा कि शाह ने स्वीकार किया है कि वह अभी इस जिम्मेदारी के लिए तैयार नहीं हैं। बावजूद इसके, बड़ी संख्या में लोग शाह को ही प्रधानमंत्री देखना चाहते हैं।

जेल से भागने की कोशिश में फायरिंग

गुरुवार सुबह रामेछाप जिला जेल से सामूहिक भागने की कोशिश के दौरान सेना ने फायरिंग की। इसमें दो कैदियों की मौत हो गई और एक दर्जन से ज्यादा घायल हो गए। बुधवार को पश्चिमी नेपाल की एक जेल में झड़प में पांच किशोर कैदियों की मौत हो चुकी है।

'किसी भी तरह का कानूनी आव्रजन ...' : हत्या के बाद किर्क का पुराना ट्वीट वायरल ; भारतीयों के खिलाफ उगल रहे थे जहर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक कॉलेज कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और दक्षिणपंथी कार्यकर्ता चार्ली किर्क को गोली मार दी गई। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। 31 वर्षीय किर्क की हत्या के बाद सोशल मीडिया पर उनका एक पुराना ट्वीट तेजी से वायरल हो रहा है। इस ट्वीट में उन्होंने भारतीय प्रवासियों को निशाना बनाते हुए कहा था कि अमेरिका को अब और भारतीय वीजा नहीं चाहिए।

चार्ली किर्क ने दो सितंबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था कि अमेरिका को भारत से और वीजा नहीं चाहिए। शायद किसी भी तरह का कानूनी आव्रजन अमेरिकी कामगारों को उतना विस्थापित नहीं कर पाया जितना भारत से हुआ है। बस अब बहुत हो गया। हम पूरी तरह भर चुके हैं और अब समय आ गया है कि अपने नागरिकों को प्राथमिकता दें।

फॉक्स न्यूज एंकर की पोस्ट पर प्रतिक्रिया

किर्क का यह बयान फॉक्स न्यूज एंकर लॉरा इंग्राहम की पोस्ट पर प्रतिक्रिया के रूप में आया था। इंग्राहम ने लिखा था कि भारत के साथ किसी भी व्यापार समझौते के लिए अमेरिका को ज्यादा वीजा देने पड़ेंगे। इस पर किर्क ने तीखी टिप्पणी करते हुए भारतीयों के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की थी।

ट्रंप ने जताया शोक

किर्क की हत्या की खबर सामने आने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि चार्ली महान थे। अमेरिका के युवाओं को उनसे बेहतर कोई समझ नहीं पाया। उन्हें हर कोई प्यार करता था, खासतौर पर मैं। अब वे हमारे बीच नहीं रहे। ट्रंप ने आगे किर्क की पत्नी एरिका और परिवार को संवेदनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि मेलानिया और मेरी संवेदनाएं उनकी पत्नी और परिवार के साथ हैं। चार्ली, हम आपसे प्यार करते हैं। इसके साथ ही ट्रंप ने कार्की के बारे में कहा कि उन्होंने स्वतंत्रता, लोकतंत्र और अमेरिकी जनता के लिए बहुत संघर्ष किया।

हमलावरों पर कार्रवाई का आश्वासन

राष्ट्रपति ट्रंप ने किर्क की हत्या के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार इस अपराध के लिए जिम्मेदार हर व्यक्ति को ढूंढेगी, चाहे वे संगठनों से जुड़े हों या सीधे शामिल हों। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका और कानून-व्यवस्था पर हमला करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

'भारत–अमेरिका रिश्तों की अहमियत का संकेत', सर्जियो की नियुक्ति पर बोले भारतीय राजदूत क्वात्रा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने भरोसेमंद सहयोगी सर्जियो गोर को भारत में अगले अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित किया है। भारत में अमेरिका के राजदूत नामित किए जाने पर भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि यह कदम दोनों देशों के रिश्तों की प्राथमिकता और महत्व का बड़ा संकेत है। क्वात्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मैं स्वागत करता हूं कि राष्ट्रपति ट्रंप अपने सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक, सर्जियो गोर को भारत भेज रहे हैं। यह फैसला भारत-अमेरिका रिश्तों को और गहरा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पिछले महीने ट्रंप ने गोर की नियुक्ति की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि गोर लंबे समय से उनके साथ काम कर रहे हैं और उन पर पूरा भरोसा है। ट्रंप ने कहा था कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले क्षेत्र में मेरे लिए जरूरी है कि कोई ऐसा व्यक्ति हो, जिस पर मैं पूरी तरह भरोसा कर सकूं। सर्जियो शानदार राजदूत साबित होंगे।

अमेरिकी सीनेट में सुनवाई

गोर गुरुवार को वॉशिंगटन डीसी में सीनेट की विदेश संबंध समिति के सामने पेश होंगे। यहां उनकी नियुक्ति को मंजूरी देने पर चर्चा होगी। अगर मंजूरी मिल जाती है तो 38 वर्षीय गोर भारत में अब तक के सबसे युवा अमेरिकी राजदूत बन जाएंगे।

यूएसआईएसपीएफ का समर्थन

अमेरिका-भारत स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) ने गोर के समर्थन में सीनेट को पत्र लिखा है। संगठन ने कहा कि हालिया तनावों के बीच गोर का अनुभव और राष्ट्रपति का विश्वास रिश्तों को नए सिरे से पटरी पर लाने में मदद करेगा। यूएसआईएसपीएफ अध्यक्ष मुकेश अघी ने कहा कि यह नियुक्ति दोनों देशों के हित में है और लंबे समय से खाली पड़े पद को भरना बेहद जरूरी है।

मेरे खिलाफ पैसे देकर चलाया जा रहा राजनीतिक अभियान: गडकरी

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि E20 मिश्रित ईंधन के खिलाफ सोशल मीडिया पर चलाया जा रहा अभियान मुझे राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के लिए है। इसे पैसे देकर चलाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री सोसाइटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के वार्षिक सम्मेलन में सवालों के जवाब दे रहे थे। यहां उनसे पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण से जुड़ी चिंताओं के बारे में पूछा गया था।

गडकरी ने जवाब दिया कि ऑटोमोबाइल निर्माता और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ARAI) जैसी संस्थाओं ने पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण पर अपने निष्कर्ष साझा किए हैं। मंत्री ने कहा, 'जिस तरह आपका उद्योग काम करता है, उसी तरह राजनीति भी काम करती है। सोशल मीडिया अभियान सशुल्क था। यह मुझे राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के लिए था। इसमें कोई तथ्य नहीं है। सब कुछ स्पष्ट है। इथेनॉल मिश्रण आयात का विकल्प, लागत-प्रभावी, प्रदूषण-मुक्त और स्वदेशी है।'

गडकरी ने कहा कि भारत जीवाश्म ईंधन के आयात पर भारी रकम खर्च करता है। उन्होंने पूछा कि क्या जीवाश्म ईंधन के आयात को कम करने और बचाई गई राशि को भारतीय अर्थव्यवस्था में लगाने का प्रयास करना आर्थिक रूप से एक अच्छा कदम नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमने मक्का से इथेनॉल बनाया। इस कदम से किसानों को 45,000 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है।'

2023 से पहले बने गाड़ियों के इंजन क्यों हो रहे डैमेज : पवन खेड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इथेनॉल को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी पर टारगेट करते हुए कहा कि,उनके मंत्री नितिन गडकरी केंद्र सरकार में नीति बना रहे है, जबकि उनके बेटे इसी से पैसा बना रहे है।गुरुवार को कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस वार्ता करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पर निशाना साधा हैं। खेड़ा ने आरोप लगाते हुए कहा कि, एक तरफ पिता नितिन गडकरी केंद्र सरकार में बैठकर इथेनॉल को लेकर नीति बना रहे हैं। जबकि दूसरी तरफ उनका बेटे इसी नीति का फायदा उठाकर पैसा कमा रहे है। साल 2018 में नितिन गडकरी ने वादा किया था कि 5 इथेनॉल उत्पादक सेंटर तैयार किए जाएंगे। लेकिन, ये सेंटर तैयार नहीं हो पाए। खेड़ा ने आरोप लगाते हुए कहा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के दोनों बेटों की कंपनियां इथेनॉल प्रोड्यूस करती हैं। बेटे निखिल गडकरी की कंपनी सियान एग्रो का जून 2024 में रेवेन्यू 18 करोड़ था। जो जून, 2025 में बढ़कर 523 करोड़ हो गया। इनकी शेयर की कीमत जनवरी 2025 में 37.45 पैसे थे। अभी 368 रुपए है। खेड़ा ने कहा कि, पिछले 11 साल के इतिहास में कोई भी स्कीम समय से पूरी नहीं हुई। लेकिन इथेनॉल से जुड़ी स्कीम 2025 की समयसीमा से पहले पूरी हो गई है। हमने समय सीमा से पहले 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण हासिल कर लिया है। आज एक लीटर इथेनॉल बनाने में 3000 लीटर पानी खर्च होता है।

मध्य प्रदेश को मिला 'बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड' अवॉर्ड

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने प्रदान किया अवार्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड (एमपीटीबी) को प्रतिष्ठित बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान नई दिल्ली के एक होटल में नौ सितम्बर को आयोजित भव्य इंडिया ट्रैवल अवॉर्ड्स 2025 समारोह में प्रदान किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मान ने भारत के पर्यटन क्षेत्र में नवाचार, उत्कृष्टता और सतत विकास को लेकर मध्य प्रदेश की अग्रणी भूमिका को रेखांकित किया है।

पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि यह सम्मान मध्य प्रदेश की जनता और यहां की संस्कृति के गौरव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पर्यटन को विकास की धुरी बनाने का संकल्प लिया है। प्रदेश की धरोहर, प्राकृतिक संपदा और लोकपरंपराओं को विश्वस्तर पर पहचान दिलाने के लिए हम लगातार प्रयासरत हैं। यह

अवॉर्ड हमें और ऊर्जा देता है कि हम पर्यटन को न केवल राज्य की पहचान, बल्कि रोज़गार और आत्मनिर्भरता का मज़बूत साधन भी बनाएं।

अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति, गृह और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व तथा प्रबंध संचालक, मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि यह अवॉर्ड हमारी टीम की साझा मेहनत और विजन का परिणाम है। हमारा लक्ष्य सिर्फ नए पर्यटन स्थल बनाना नहीं है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देना, महिलाओं को नए अवसर प्रदान करना, हमारी संस्कृति और परंपराओं को संजोना, प्राकृतिक धरोहर को बचाना और पर्यटन को सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाना है। यह सम्मान हमें और प्रेरित करता है कि हम हृदय प्रदेश, मध्य प्रदेश को ऐसा खास पर्यटन स्थल बनाएं, जहां परंपरा, प्रकृति और आधुनिकता एक साथ दिखाई दें।

यह उपलब्धि मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड की दूरदर्शी सोच का प्रतीक है। प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने, इको-टूरिज्म सर्किट विकसित करने, सामुदायिक होमस्टे को बढ़ावा देने, साहसिक और अनुभवात्मक पर्यटन को विस्तार देने के साथ-साथ आतिथ्य सत्कार और विज़िटर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की दिशा में बोर्ड सतत रूप से कार्यरत है। हमारा लक्ष्य पर्यटकों को विश्वस्तरीय पर्यटन अनुभव प्रदान करना है।

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड ट्रेलर रिलीज, इंडस्ट्री के काले सच से हटा आधा पर्दा, पहली बार साथ में दिखेंगे तीनों खान

नेटफ्लिक्स की बहुप्रतीक्षित सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड का ट्रेलर अब रिलीज हो गया है। पिछले महीने पहले प्रीव्यू के बाद, आर्यन खान के निर्देशन में बनी इस पहली फिल्म के प्रति प्रशंसकों की उत्सुकता काफी बढ़ गई है। जोरदार और बेहद मनोरंजक, सात एपिसोड वाली यह सीरीज तीखे वन-लाइनर्स और बेबाक रूप से बड़े-से-बड़े पलों से भरपूर है। रेड चिलीज एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित, यह सीरीज पहले से ही साल की सबसे चर्चित फ़िल्मों में से एक बनने की ओर अग्रसर है।

इस सीरीज की कहानी आसमान सिंह (लक्ष्य) पर आधारित है, जो एक महत्वाकांक्षी न्यूकमर कलाकार है और जिसके सपने बड़े पर्दे जितने ही बड़े हैं। अपने वफादार दोस्त परवेज़ (राघव जुयाल), तीखी-मिजाज मैनेजर सान्या (अन्या सिंह) और हमेशा साथ देने वाले अपने परिवार-अपने चाचा अवतार (मनोज पाहवा), मां नीता सिंह (मोना सिंह) और पिता रजत सिंह (विजयंत कोहली) के साथ, आसमान चमक-दमक और हिम्मत की दुनिया में कदम रखता है।

उसे जल्द ही एहसास होता है कि सपनों की एक कीमत चुकानी पड़ती है, खासकर जब महत्वाकांक्षा और अहंकार आपस में टकराते हैं। आसमान खुद को अब तक की सबसे बड़ी चुनौती, सुपरस्टार अजय तलवार (बॉबी देओल) के सामने पाता है, जब उसे उसकी बेटी, बॉलीवुड की नवोदित अभिनेत्री करिश्मा (सहर बांबा) के साथ कास्ट किया जाता है। निर्माता फ्रेडी सोडावाला (मनीष चौधरी) और वापसी के लिए बेताब गुजरे जमाने के अभिनेता जराज सक्सेना (रजत बेदी) को इसमें शामिल कर लीजिए, और फिर हिंदी सिनेमा के अनूठे तमाशे के बीच एक तीखी, आत्म-जागरूक कहानी सामने आती है।

बॉलीवुड के प्रशंसकों का सपना द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के प्रीव्यू और ट्रेलर के साथ साकार हो गया है, जिसमें एक यादगार कैमियो की झलक दिखाई गई है। तीनों खान पहली बार एक साथ नजर आ रहे हैं। कई दमदार कलाकारों के साथ, रणवीर सिंह, सारा अली खान, एसएस राजामौली, बादशाह, दिशा पटानी और उनके जैसे कई सितारों की दमदार उपस्थिति दर्शकों को रोमांचित करेगी और 18 सितंबर को नेटफ्लिक्स सीरीज के भव्य प्रीमियर के लिए उत्सुकता बढ़ाएगी।

टी-सीरीज के सहयोग से द बैड्स ऑफ बॉलीवुड का संगीत इस शो के जश्न के जोश को और बढ़ा देता है। इस एल्बम को शाश्वत सचदेव ने संगीत दिया है, और गेस्ट संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर और उज्ज्वल गुप्ता हैं। अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा रचित और अरिजीत सिंह व अमीरा गिल द्वारा गाए गए पहले ट्रैक, बदली सी हवा है ने जोश और उत्साह से भरपूर गाने ने प्रशंसकों के दिलों में अपनी जगह बना ली है।

प्लेलिस्ट में तू पहली तू आखिरी जिसे शाश्वत सचदेव ने रचा, निर्मित और सेट किया है और अरिजीत सिंह ने गाया है, ने इस उत्साह को और बढ़ा दिया है, और दोनों ही गानों ने इस सीरीज़ के भव्य प्रीमियर के लिए उत्सुकता बढ़ा दी है, द बैड्स ऑफ बॉलीवुड सिर्फ एक सीरीज नहीं ह। यह पर्दे के पीछे की दुनिया के लिए एक चुटीला, बिना किसी फिल्टर वाला टोस्ट (और रोस्ट) है। सीरीज को 18 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर देखें!

फिल्म की निर्माता गौरी खान, कार्यकारी निर्माता बोनी जैन, अक्षत वर्मा, निर्माता और निर्देशक आर्यन खान, सह-निर्माता बिलाल सिद्दीकी, मानव चौहान, लेखक आर्यन खान, बिलाल सिद्दीकी, मानव चौहान, निर्माता रेड चिलीज एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड हैं। फिल्म की स्टारकास्ट में बॉबी देओल, लक्ष्य, सहर बाम्बा, राघव जुयाल, मनोज पाहवा, मोना सिंह, मनीष चौधरी, आन्या सिंह, विजयंत कोहली, गौतमी कपूर और रजत बेदी हैं।

सलमान खान की नई फिल्म बैटल ऑफ गलवान की पहली झलक, फौजी लुक में दिखे भाईजान

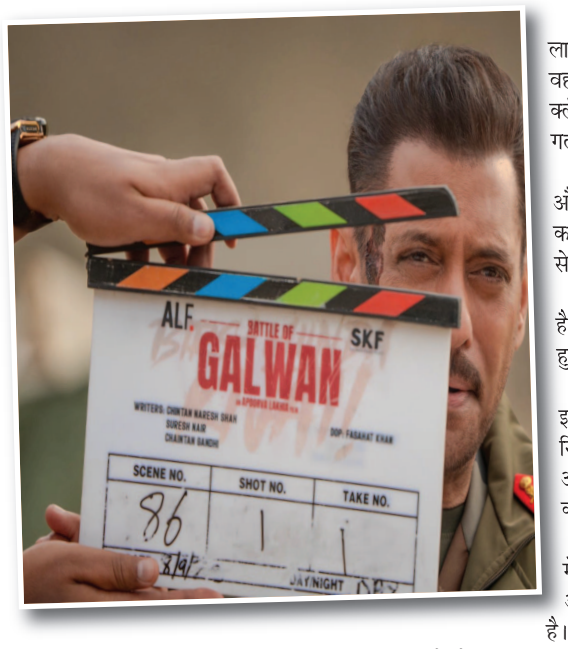

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अपनी नई फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने आने वाली फिल्म बैटल ऑफ गलवान की पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर की, जिसमें वह बिल्कुल नए अवतार में नजर आ रहे हैं। यह पोस्ट सिर्फ एक फोटो नहीं, बल्कि उनके फैंस के लिए बड़ा सरप्राइज बन गया है।

सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्हें आर्मी की वर्दी पहने हुए देखा जा सकता है। उनके कंधे पर लाल और पीले रंग की रैंक पट्टी लगी हुई है, जो यह बताती है कि वह किसी सैन्य अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। तस्वीर में क्लैपबोर्ड भी नजर आ रहा है, जिस पर फिल्म का नाम बैटल ऑफ गलवान लिखा है।

इसके अलावा, क्लैपबोर्ड पर फिल्म के सीन नंबर, टेक नंबर, और शॉट की जानकारी भी दी गई है। तस्वीर में सलमान का लुक काफी गंभीर है। वह चोटिल नजर आ रहे हैं। तस्वीर में उनके माथे से खून बहता नजर आ रहा है।

बता दें कि इस फिल्म की कहानी सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जो साल 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन सैनिकों के बीच हुए असल संघर्ष को पर्दे पर लेकर आएगी।

बैटल ऑफ गलवान का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। इस फिल्म में सलमान खान के अलावा, बॉलीवुड एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह लीड रोल में नजर आएंगी। वहीं, जेन शॉ, अंकुर भाटिया, अभिलाष चौधरी, हीरा सोहल और विपिन भारद्वाज समेत कई कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है, लेकिन फैंस में सलमान की इस नई फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। इसका अंदाजा उनके पोस्ट में आए कमेंट्स के जरिए लगाया जा सकता है।

एक फैन ने कमेंट सेक्शन में लिखा, वाह, सलमान सर, अब दुश्मनों को आपसे कोई नहीं बचा सकता।

दूसरे फैन ने लिखा, अब बॉक्स ऑफिस पर गदर मचने वाला है।

कई फैंस ने दिल और तिरंगे के इमोजी भी कमेंट्स सेक्शन में भेजे।

जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। साड़ी में हल्की चमक है। इस चमक से अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह रेशमी या साटन कपड़े की साड़ी हो सकती है। साड़ी के बॉर्डर पर बारीक कढ़ाई की गई है जो पूरे लुक को शाही बना रही है।

जिया शंकर ने लाल साड़ी में बिखेरा जादू, बस उसी की बनकर वाले कैप्शन ने खींचा लोगों का ध्यान

टीवी से लेकर वेब सीरीज तक, जिया शंकर उन चेहरों में से एक हैं जिन्होंने कम वक्त में अपनी खास पहचान बनाई है। उनकी मासूम मुस्कान और दमदार अभिनय ने दर्शकों के दिलों में एक अलग ही जगह बनाई है। वह अपने स्टाइल और लुक्स को लेकर भी हमेशा चर्चा में रहती हैं।

सोशल मीडिया पर उनकी हर तस्वीर को लाखों लोग पसंद करते हैं।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर नया फोटोशूट पोस्ट किया, जिसने फैंस को फिर एक बार उनका दीवाना बना दिया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई फोटोशूट में जिया शंकर ने रेड कलर की पारंपरिक साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। साड़ी में हल्की चमक है। इस चमक से अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह रेशमी या साटन कपड़े की साड़ी हो सकती है। साड़ी के बॉर्डर पर बारीक कढ़ाई की गई है जो पूरे लुक को शाही बना रही है।

साड़ी से ज्यादा ध्यान उनके ब्लाउज ने खींचा है। ब्लाउज पर सुंदर सी कढ़ाई हुई है और बाजुओं पर सफेद हंस का डिजाइन बना हुआ है। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है और सॉफ्ट वेव्स में स्टाइल किए हुए हैं, जो उनके चेहरे को और भी निखार रहे हैं। इस लुक पर उन्होंने मेकअप भी बहुत हल्का और सॉफ्ट रखा है। गुलाबी लिपस्टिक, हल्का आईशैडो और काजल के साथ उनकी मुस्कान दिल को छू रही है।

जूलरी की बात करें तो जिया ने पर्ल वाला चोकर नेकलेस, छोटे झुमके, और गोल्डन कड़े पहने हुए हैं, जो लुक में शालीनता के साथ एक रॉयल टच जोड़ रहे हैं।

इस पोस्ट के कैप्शन में जिया ने लिखा, बस उसी की बनकर उनके कैप्शन ने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया। इस तस्वीर को देखने के बाद उनके चाहने वालों ने कमेंट्स में सवालों की झड़ी लगा दी है। कोई उनसे पूछ रहा है कि क्या आप किसी खास मौके के लिए तैयार हुई हैं? तो कोई सवाल कर रहा है कि किस खास इंसान के लिए इतना सज-संवर रही हो? अन्य फैंस उनके कमेंट्स सेक्शन में इमोजी भी भेज रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com